राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 10 फरवरी 2024 वर्ष–7,अंक–18 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तीन और हस्तियों को 'भारत रत्न', इस साल अब तक पांच नामों का एलान

कर्पूरी ठाकुर और आडवाणी के बाद तीन और भारत रत्न, चुनावी साल में साधे गए कौन से सियासी समीकरण?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ट्वीट करके तीन हस्तियों को भारत रत्न दिए जाने का एलान किया। इनमें किसान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, कांग्रेस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन शामिल हैं। इससे पहले 23 जनवरी को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर और 3 फरवरी को देश के पूर्व-उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने का एलान हो चुका है।

चुनावी साल में एक के बाद एक पांच हस्तियों को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिए जाने के कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। सियासी जानकार कह रहे हैं कि इससे मोदी सरकार ने अलग-अलग राज्यों में कई समीकरण साध लिए हैं। आइये जानते हैं इन शख्सियतों के जरिए भाजपा ने कैसे और किन समीकरणों को साधा है?...

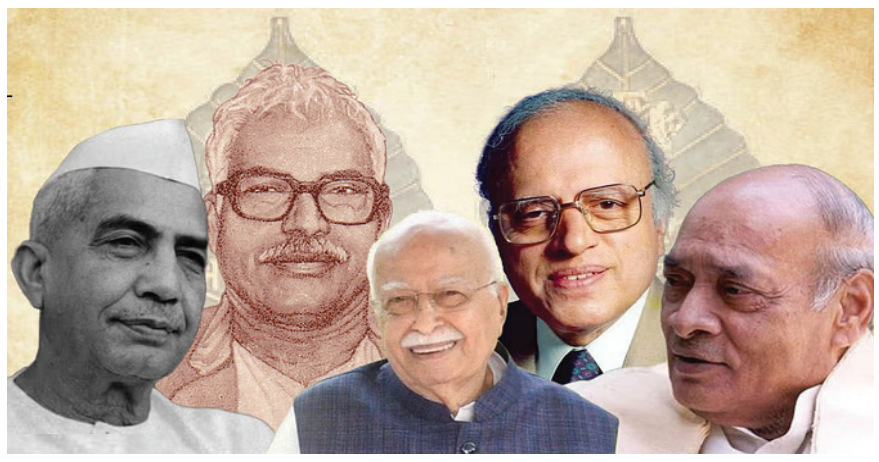

1. चौधरी चरण सिंह (पूर्व प्रधानमंत्री)

चौधरी चरण सिंह की किसानों के मसीहा के रूप में पहचान रही है। अगले लोकसभा चुनाव में पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के जाट बहुल सीटों पर चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने का असर पड़ सकता है। इन इलाकों की करीब 40 लोकसभा सीटें ऐसी हैं, जहां जाट मतदाताओं का असर माना जाता है।

चौधरी चरण सिंह के पोते और राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया जयंत चौधरी की भाजपा के साथ जाने की अटकलें पिछले कई दिनों से लग रही हैं। चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने के बाद जयंत ने ट्वीट किया, %दिल जीत लिया।% जयंत चौधरी अगर भाजपा के साथ जाते हैं तो पश्चिम उत्तर प्रदेश में भाजपा को काफी फायदा हो सकता है।

2. पीवी नरसिम्हा राव (पूर्व प्रधानमंत्री)

विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा कि प्रधानमंत्री मोदी प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की हमेशा आलोचना करते हैं और कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्रियों के प्रति उनका रवैया आलोचनात्मक है। एक दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा में पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह की प्रशंसा की थी और कहा था कि वे व्हीलचेयर पर भी सदन में आते रहे और लोकतंत्र को ताकत देते रहे। अगले ही दिन नरसिम्हा राव को भारत रत्न देने का एलान हो गया। नरसिम्हा राव को मरणोपरांत भारत रत्न देने का एलान विपक्ष को करारा जवाब इसलिए भी है, क्योंकि भाजपा लगातार यह आरोप लगाती रही है कि कांग्रेस ने बतौर प्रधानमंत्री राव के योगदान को हमेशा नजरअंदाज किया। यहां तक कि मोदी के कट्टर आलोचक मणिशंकर अय्यर ने तो एक बार राव को भाजपा का पहला प्रधानमंत्री तक करार दे दिया था।

3. एमएस स्वामीनाथन (कृषि क्रांति के जनक)

बतौर वैज्ञानिक उनकी बेमिसाल उपलब्धियां रही हैं। इसके अलावा उनकी शख्सियत दक्षिण भारत के प्रतिभावान लोगों का भी प्रतिनिधित्व करती रही है। स्वामीनाथन को मरणोपरांत भारत रत्न देने से दक्षिण को साधने की मोदी सरकार की रणनीति को और मजबूती मिल सकती है। स्वामीनाथन कृषि क्रांति के जनक थे। उन्हें भारत रत्न देने से दक्षिण के साथ ही भाजपा की किसानों को साधने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।

4. लालकृष्ण आडवाणी (पूर्व उप-प्रधानमंत्री)

लालकृष्ण आडवाणी भाजपा के कद्दावर नेता और राम मंदिर आंदोलन का बड़ा चेहरा रहे हैं। 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद आडवाणी को भारत रत्न देकर भाजपा ने अपने मतदाताओं को एक तरह से संदेश दिया। भाजपा पर मंदिर आदोलन के बड़े चेहरों में शामिल आडवाणी की उपेक्षा के आरोप लग रहे थे। जब मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई तब भी यह मुद्दा विपक्ष ने उठाया। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के 10 दिन के अंदर आडवाणी को भारत रत्न देकर भाजपा ने विपक्ष से यह मुद्दा छीन लिया। इसके साथ ही उसने अपने परंपरागत मतदाताओं को भी यह संदेश दिया कि वह अपने वरिष्ठ नेताओं का कितना सम्मान करती है।

5. कर्पूरी ठाकुर (बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री)

इस साल सबसे पहले जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा की गई। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सामाजिक न्याय के नायक थे। जानकारों का कहना है कि केंद्र के इस कदम से आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए मदद मिल सकती है। बिहार में 27 प्रतिशत पिछड़ा और 36 प्रतिशत अति पिछड़ा वर्ग की हिस्सेदारी है। कुल मिलाकर 63त्न की भागीदारी वाले समाज पर कर्पूरी ठाकुर का बहुत बड़ा प्रभाव है। यह वर्ग उन्हें अपने नायक के तौर पर देखता है।

कर्पूरी ठाकुर के बेटे रामनाथ ठाकुर जदयू के राज्यसभा सांसद हैं। कर्पूरी को भारत रत्न मिलने के आठ दिन बाद ही भाजपा और जदयू एक बार फिर साथ आ गए। चिराग पासवान, पशुपति कुमार और जीतन राम मांझी की पार्टियां पहले से एनडीए की साझेदार थीं। ऐसे में नए सियासी समीकरणों आधार पर बिहार में भाजपा खुद को काफी मजबूत मान रही है। कहा जा रहा है कि कर्पूरी को भारत रत्न देकर भाजपा ने बिहार के सियासी समीकरण को साधने का काम किया है। अब पार्टी के वरिष्ठ नेता आने वाले चुनाव में राज्य की सभी 40 लोकसभा सीटें जीतने का दावा करने लगे हैं।

गजब का तर्क है गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री का- कुपोषण का कारण जीरो फिगर बताया

अहमदाबाद। गुजरात में कुपोषण को लेकर सरकार कितनी गंभीर है यह उसके स्वाथ्य मंत्री के बयान से पता चलता है। गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने का कहना है कि जीरो फिगर के चक्कर में आज लोग कुपोषण का शिकार हो रहे हैं। गुजरात विधानसभा में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य के गांव हो या शहर जीरो फिगर रखने के लिए प्रयास में कुपोषण के आंकड़े बढ़ रहे हैं। राज्य के समृद्ध जिलों में कुपोषण के मामले सामने आए हैं। हम सभी को हमारा गांव कुपोषण मुक्त हो ऐसा प्रयास करना चाहिए। कुपोषित गांव और मुहल्ले का संकल्प सभी को करना होगा। सरकार करोड़ों रुपए देती है और माताओं की भी चिंता करती है। शिशु और माता की बढ़ती मृत्यु दर पर नियंत्रण पाने के लिए सरकार ने माता की देखभाल की व्यवस्था की है। सरकार कुछ भी वास्तविकता यह है कि गरीबों को दो वक्त का भोजन मुश्किल से मिलता है और ऐसे में गरीब महिला कैसे जीरो फिगर के बारे में सोच सकती हैं। माता के कुपोषित होने पर उसका बच्चा का कुपोषित होता है। उसका कारण जीरो फिगर नहीं हो सकता। ऐसा लगता है स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने जीरो फिगर का कारण आगे धर कुपोषण का मजाक उड़ाया।

सीतारमण का तंज, मनमोहन सरकार और बनी रहती तब देश का बंढ़ाधार हो जाता

नई दिल्ली। मोदी सरकार में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के वर्ष 2004 से 2014 के बीच के कार्यकाल के दौरान देश की अर्थव्यवस्था की हालत बदतर कर दी गई थी। यदि मनमोहन सरकार बनी रहती तब ईश्वर ही जाने देश का क्या हाल होता। श्रीमती सीतारमण ने भारतीय अर्थव्यवस्था की 2004 से 2024 की अवधि की दो गठबंधनों की सरकारों के समय की तुलनात्मक स्थिति पर प्रस्तुत श्वेतपत्र पर सदन में चर्चा की शुरुआत कर कहा कि यह महत्वपूर्ण दस्तावेज है और इस गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2010 के नई दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों में करोड़ों रुपये का घोटाला हुआ, जिससे भारत पूरी दुनिया में बदनाम हुआ। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी20 सम्मेलन पूरे देश को साथ लेकर इतने बेहतर तरीके से संपन्न करवाया कि भारत का पूरी दुनिया में सम्मान बढ़ा। उन्होंने कहा कि मनमोहन सरकार के कार्यकाल के दौरान हुए कोयला घोटाले से देश का भयंकर नुकसान हुआ। गुटखा बनाने वाली कंपनियों के मालिकों तक को कोयला ब्लॉक के लाइसेंस दिए गए थे। कोयला खदान आवंटन घोटाला इतना बड़ा था कि सुप्रीम कोर्ट को इसतरह के 214 लाइसेंस रद्द करने पड़े। उन्होंने कहा कि हालत इतनी खराब हुई कि देश में भरपूर कोयला होने के बावजूद कोयले का आयात करना पड़ा।

उच्चतम न्यायालय आजीवन कारावास से जुड़ी याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय शुक्रवार को उस याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमत हो गया जिसमें यह बताने का अनुरोध किया गया है कि क्या 'आजीवन कारावास' का मतलब पूरे जीवन के लिए होगा या इसे क्या आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 432 के तहत प्राप्त शक्तियों द्वारा कम या माफ किया जा सकता है? सीआरपीसी की धारा 432 सजा को निलंबित करने या कम करने की शक्ति से संबंधित है। न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर चंद्रकांत झा द्वारा दायर याचिका पर जवाब मांगा। झा हत्या के तीन मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। वकील ऋषि मल्होत्रा के माध्यम से दायर अपनी याचिका में, झा ने कहा कि उसे भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 201 (अपराध के सबूतों को गायब करना) के तहत अपराध के लिए दोषी ठहराया गया है। उसने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने पहले एक निचली अदालत द्वारा उसे दी गई मौत की सजा को कम कर दिया था और इसे आजीवन कारावास में बदल दिया था।

'श्वेत पत्र' नहीं, 'सफेद झूठ पत्र' है: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि अर्थव्यवस्था पर मोदी सरकार का श्वेत पत्र एक 'सफेद झूठ पत्र' है और इसके बजाय केंद्र सरकार को रोजगार, नोटबंदी, सीमा पर तनाव और मणिपुर जैसे मुद्दों पर ऐसा दस्तावेज लेकर आना चाहिए। सरकार के 'श्वेत पत्र' के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, 'यह 'श्वेत पत्र' नहीं, बल्कि 'सफेद झूठ पत्र' है। हमारे कांग्रेस अध्यक्ष (मल्लिकार्जुन खरगे) ने कल '10 साल अन्य काल' नाम से एक 'ब्लैक पेपर' जारी किया।' उनका कहना था कि कांग्रेस का 'ब्लैक पेपर' सरकार के 'श्वेत पत्र' पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' है। कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया कि सरकार 'सफेद झूठ पत्र' लेकर आई है। रमेश ने कहा, 'श्वेत पत्र में नोटबंदी, बेरोजगारी, महंगाई और बढ़ती आर्थिक असमानता का कोई जिक्र नहीं है। जिन मुद्दों पर उन्हें 'श्वेत पत्र' लाना चाहिए, उनमें चीन के साथ सीमा पर तनाव शामिल हैं।' '

मुख्यमंत्री ने हल्द्वानी पहुंचकर लिया स्थिति का जायजा

देहरादून (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को दोपहर बाद हल्द्वानी पहुंचकर गुरुवार को सांय हुई उपद्रव की घटना की स्थिति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने हल्द्वानी बनभूलपुरा में हुई घटना में घायल महिला पुलिस दल समेत अन्य पुलिसकर्मियों, प्रशासन, नगर निगम कर्मी और पत्रकार साथियों का भी हाल चाल जाना। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने कानून तोड़ा है एवं सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है उनके सारे वीडियो फुटेज और फुटप्रिंट उपलब्ध हैं। इस घटना में शामिल सभी उपद्रवियों को चिन्हित कर, उन पर विधिसम्मत कार्रवाई की प्रक्रिया गतिमान है। मुख्यमंत्री ने हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए एडीजी कानून और व्यवस्था श्री ए.पी अंशुमान को प्रभावित क्षेत्र में कैंप करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने अवैध निर्माण को हटाये जाने के दौरान पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों एवं कार्मिकों पर हुए हमले तथा क्षेत्र में अशांति फैलाने की घटना को सख्ती से लेते हुए अराजक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों से शान्ति बनाये रखने की अपील करते हुए अराजक तत्वों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही के निर्देश दिये हैं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिये कि प्रदेश में किसी को भी कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने की छूट नहीं दी जायेगी। प्रशासनिक अधिकारी निरंतर क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये हर समय सजग रहे तथा हर स्थिति में अमन चैन एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये प्रयासरत रहें।

जगन मोहन रेड्डी ने प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात, आंध्र प्रदेश को विशेष दर्जा देने की मांग

नई दिल्ली(एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से यहां मुलाकात की और राज्य को विशेष दर्जा देने की मांग की। जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने भी सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जगन और मोदी की मुलाकात की जानकारी दी।

रेड्डी 2019 के विधानसभा चुनाव में राज्य को विशेष दर्जा दिलाने की मांग के वादे के साथ सत्ता में आए थे और इस मुद्दे पर पहले भी प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से कई बार मुलाकात कर चुके हैं। पार्टी सूत्रों ने बताया कि आंध्र प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा अपनी स्थिति मजबूत करने और तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से गठबंधन करने की संभावना के बीच रेड्डी आखिरी कोशिश के तहत राष्ट्रीय राजधानी आए हैं।

सूत्रों ने बताया, ''आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने संसद परिसर में प्रधानमंत्री से मुलाकात की और लंबित योजनाओं पर चर्चा की और राज्य को विशेष दर्जा देने सहित विभिन्न मांग रखी।' विशेष श्रेणी का दर्जा आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के प्रावधानों में से एक है, जिसके जरिये जून 2014 में अलग तेलंगाना राज्य का गठन किया गया था।

जगन का राष्ट्रीय राजधानी का दौरा तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू द्वारा आंध्र प्रदेश में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा से संभावित गठबंधन पर बातचीत के लिए शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के कुछ दिनों बाद हो रहा है। आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ मई से पहले होने की संभावना है।

एनडीए में जाने पर जयंत..... अब मैं किस मुंह से उन्हें मना करूँ?

नई दिल्ली। राष्ट्रीय लोक दल के मुखिया जयंत चौधरी के एनडीए के साथ आने की अटकलों को तब और हवा मिल गई जब भारत सरकार ने जयंत के दादा और देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने का ऐलान कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से किए गए ऐलान पर भावुक होकर जयंत चौधरी ने कहा कि दिल जीत लिया। उसके बाद उन्होंने एनडीए और भाजपा के साथ जाने के मुद्दे पर पूछे गये सवाल पर कह दिया कि अब मैं किस मुंह से उन्हें मना करूँ? लोगों को मिठाइयां बांटते हुए जयंत चौधरी ने कहा, आज का ये बहुत बड़ा दिन है। मेरे लिए भावुक और यादगार पल है। मैं राष्ट्रपति, भारत सरकार और विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देता हूं।

किसानों को उपज का सही मूल्य मिले, उनकी समृद्धि बढ़ाने के प्रयास तेज हों: मुर्मु

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने किसानों की गरीबी की स्थिति को रेखांकित करते हुए शुक्रवार को कहा कि उनको उसकी उपज का सही मूल्य दिलाने और उनकी समृद्धि बढ़ाने के प्रयास अधिक तेज करने की जरूरत पर बल दिया।

श्रीमती मुर्मु ने सरकार द्वारा इस दिशा में उठाए गए विभिन्न कदमों का उल्लेख करते हुए विश्वास जताया कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को पूरने की यात्रा में देश का किसान अग्रदूत होगा। राष्ट्रपति यहां भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर) के 62वें दीक्षांत समारोह में दीक्षांत भाषण दे रही थीं।

उन्होंने कहा, 'हम सब किसान एवं कृषि संबंधी समस्याओं से अवगत हैं। हमारे कितने ही किसान भाई-बहन आज भी गरीबी में जीवन-यापन कर रहे हैं। किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य मिले, वह अभावग्रस्त जीवन से समृद्धि की ओर बढ़े, इस दिशा में हमें और भी तत्परता से आगे बढ़ाना होगा।'

राष्ट्रपति ने कहा, 'मुझे पूर्व विश्वास है कि कि वर्ष 2047 में जब भरत विकसित राष्ट्र बन कर उभरेगा, तब भारत का किसान इस यात्रा का अग्रदूत होगा।'

उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में काफी वृद्धि की है ताकि किसानों को आय सुरक्षा प्रदान की जा सके। उन्होंने कहा कि जैविक खेती को बढ़ा देने से मृदा-स्वास्थ्य में सुधार हुआ है।

किसान सम्पदा योजना से देश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ किसानों को बेहतर मूल्य पाने में सहायता मिलेगी और यह किसानों की आमदनी दोगुना करने दिशा में एक बड़ा महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार किसानों की आय को बढ़ाने, नवीन कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए, सिंचाई व्यवस्था सुचारु रूप से उपलब्ध करने के लिए सकरार बहुत तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने इसी संदर्भ में मृदा स्वास्थ्य कार्ड और फसल बीमा योजना का भी उल्लेखनीय किया।

कृषि क्षेत्र के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, 'ऐसा कहा जाता है कि किसान के हल की नोक से खींची गयी रेखा सभ्यता के पूर्व के समाज और विकसित समाज के बीच की रेखा है। किसान न केवल विश्व के अन्नदाता हैं, बल्कि सही अर्थों में जीवनदाता हैं।'

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि भारत को खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान का योगदान अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि इस संस्थान ने न केवल कृषि से संबंधित अनुसंधान एवं विकास कार्यों को कुशलतापूर्वक किया है, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया है कि ऐसे अनुसंधान जमीन पर दिखें।

उन्होंने कहा, 'यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि संस्थान ने 200 से अधिक नई प्रौद्योगिकियां विकसित की हैं। आईएआरआई ने 2005 और 2020 के बीच 100 से अधिक किस्में विकसित की हैं और इसके नाम पर 100 से अधिक पेटेंट हैं।' राष्ट्रपति ने कहा कि भारत में एक बड़ी आबादी का जीविकोपार्जन खेती से होता है। भारत की सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का भी महत्वपूर्ण योगदान है। इसलिए यह सुनिश्चित करना काफी आवश्यक है कि हमारी अर्थव्यवस्था का यह आधार यथासंभव बढ़े और इसमें किसी तरह की कोई बाधा न आए।

राजस्थान के बजट में दिखा मोदी विजन

रमेश सर्राफ धमोरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सभी चुनावी जनसभाओं में प्रदेश में पेट्रोल, डीजल की अधिक कीमतों का विरोध करते हुए भाजपा सरकार बनने पर उन्हें कम करने का वायदा किया था। मगर राज्य सरकार के बजट में उस पर कोई प्रावधान नहीं किया गया है। जबकि प्रदेश के लोगों को अपने पड़ोसी राज्यों की तुलना में आज भी महंगी दरों पर पेट्रोल, डीजल खरीदना पड़ रहा है। इससे लोगों के मन में निराशा व्याप्त हुई है।

राजस्थान में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा विधानसभा में पेश किए गए भाजपा सरकार के पहले लेखा अनुदान (अंतरिम बजट) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन परिलक्षित हुआ है। यह बजट पूरी तरह से आगामी लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखकर लोक लुभावना बनाया गया है। हालांकि अंतरिम बजट होने के कारण इसमें अधिक घोषणायें नहीं की गई है। फिर भी बजट में ऐसी अन्य को बातों को शामिल किया गया है जिसका असर सीधे आम लोगों पर पड़ता है। विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कई गारंटी दी थी। प्रधानमंत्री मोदी की बहुत सी गारंटीयों को इस बजट में शामिल किया गया है। अनुभव के हिसाब से उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने वित्तमंत्री के रूप में पहला बजट पेश किया था। मगर जिस तरह से उन्होंने बजट भाषण पढ़ा उसमें पूरा आत्मविश्वास झलक रहा था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार का यह पहला बजट था। इस कारण सरकार को चुनाव के दौरान किए गए लोक लुभावने वायदों को बजट में शामिल किया जाना बहुत जरूरी था। उसी को ध्यान में रखते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अपने बजट में महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं, किसानों, व्यापारियों, धमार्चार्य को खुश करने के लिए बजट में कई तरह के प्रावधान किए हैं। प्रदेश में बुजुर्गों को अभी तक रोडवेज की बसों में 30 प्रतिशत किराए में छूट मिलती थी जिसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी तरह वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा मासिक पेंशन को एक हजार रुपए से बढ़कर 1150 रुपए प्रतिमाह कर दिया गया है।

उपमुख्यमंत्री ने बजट में 70 हजार युवाओं को नई नौकरी देने की घोषणा की है। इसके लिए राजस्थान लोक सेवा आयोग व राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के द्वारा भर्ती कैलेंडर भी बनाने की बात कही गई है। राजस्थान में पिछली अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ सबसे बड़ा मुद्दा भर्ती परीक्षाओं में हो रही धांधली को लेकर था। गहलोत सरकार के कार्यकाल में 18 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होने के कारण परीक्षाओं को निरस्त करना पड़ा था। बाद में प्रशासनिक परीक्षाओं में भी कांग्रेस के कई बड़े नेताओं के परिजनों के चयन को लेकर विवाद हुआ था। जिसके चलते आम जन में गहलोत सरकार की नकारात्मक छवि बनी थी।

इस बात को ध्यान में रखकर भाजपा सरकार ने अपने पहले ही बजट में युवाओं को लुभाने के लिए एक साथ 70 हजार नयी भर्तियों की घोषणा की है। हालांकि भाजपा ने चुनाव से पहले राजस्थान लोक सेवा आयोग में आमूल चूल परिवर्तन करने की बात भी कही थी। मगर उस पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है। भाजपा को पता है कि प्रदेश के युवा मतदाताओं की बदौलत ही उनकी सरकार बन पाई है। ऐसे में उन्हें अपने साथ जोड़े रखना बहुत जरूरी है।

संविदा पर काम कर रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिन, सहायिकाओं के साथ ही अन्य संविदा कर्मियों तथा पंचायती राज व नगरीय निकायों के निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को मिलने वाले मासिक भत्ते में भी 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की घोषणा की गई है। प्रदेश में इसका बड़ा असर होगा तथा कई लाख लोगों को इस बढ़ोतरी का लाभ मिलेगा। जिससे आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को फायदा मिल पाएगा। अपने बजट भाषण के दौरान जब कांग्रेस नेता शांति धारीवाल बार-बार उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को टोक रहे थे तो उन्होंने धारीवाल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह सिर्फ मर्दों का प्रदेश नहीं है। यहां पर महिलाएं भी बराबर की संख्या में है। उनके पास भी वोट की शक्ति है। इसी के चलते राज्य सरकार ने अपने अंतरिम बजट में महिलाओं के हित की कई योजनाओं की घोषणा कर उन पर पूरा फोकस रखा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में एक करोड़ नई लखपति दीदी बनाने की घोषणा की थी उसी की तर्ज पर राजस्थान के बजट में भी 5 लाख परिवार की महिलाओं को लखपति दीदी योजना में शामिल कर उनकी आय को एक लाख से अधिक बढ़ाया जाएगा। गरीब परिवारों में कन्या के जन्म पर एक लाख रुपए का सेविंग बांड दिया जाएगा। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में प्रथम प्रसव पर 6 हजार रुपए दिए जाएंगे। जबकि अभी तक यह राशि पांच हजार थी। प्रदेश के सभी ब्लॉकों में एक-एक आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र की स्थापना की जाएगी। प्रदेश में महिलाओं के लिए हेल्प डेस्क बनेगी। सभी नारी निकेतनो में सीसीटीवी टीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

किसानों के लिए भी बजट में कई घोषणाएं की गई है। पीएम किसान निधि में मिल रहे 6000 की राशि को बढ़ाकर 8000 रुपए प्रतिवर्ष किया गया है। इस तरह हर किसान को साल में 2000 रुपए का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इसे आगे बढ़कर 12000 रुपए तक किया जाएगा। किसान क्रेडिट कार्ड की तर्ज पर गोपाल क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएंगे चालू वर्ष में 5 लाख गोपालक परिवारों को एक लाख रुपए तक का ब्याज मुक्त लोन उपलब्ध करवाया जाएगा। करीबन 33 लाख किसानों को विभिन्न फसलों के उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध करवाए जाएंगे। अल्पआय, लघु सीमांत ,बटाईदार किसानों, खेती और श्रमिकों के बच्चों को केजी से पीजी तक की मुफ्त शिक्षा दी जाएगी। हालांकि सरकारी स्कूलों में आठवीं तक पढ़ाई और 12वीं तक किताबें पहले से फ्री दी जा रही है। 9वीं से 12वीं तक आंशिक फीस ही ली जा रही है।

मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना का नाम बदलकर अब मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना किया गया है। जिसमें कैंसर का डे केयर इलाज को भी शामिल किया गया है। हाईवे पर हादसों में जान बचाने के लिए 25 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस उपलब्ध करवाई जाएगी। प्रधानमंत्री ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में सूर्योदय योजना की घोषणा की थी। जिसके अंतर्गत राजस्थान के 5 लाख घरों पर रूफ टॉप सोलर पैनल लगाए जाएंगे। जिससे उन परिवारों के लोगों को 300 यूनिट तक प्रतिमा बिजली निःशुल्क मिल सकेगी। प्रदेश में मन्दिरों के उन्नयन पर 320 करोड़ रुपए खर्च किये जाने का प्रावधान किया गया है। इससे विभिन्न धमार्चार्यों का सरकार को समर्थन मिलेगा।

हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सभी चुनावी जनसभाओं में प्रदेश में पेट्रोल, डीजल की अधिक कीमतों का विरोध करते हुए भाजपा सरकार बनने पर उन्हें कम करने का वायदा किया था। मगर राज्य सरकार के बजट में उस पर कोई प्रावधान नहीं किया गया है। जबकि प्रदेश के लोगों को अपने पड़ोसी राज्यों की तुलना में आज भी महंगी दरों पर पेट्रोल, डीजल खरीदना पड़ रहा है। इससे लोगों के मन में निराशा व्याप्त हुई है। प्रदेश के लोगों का कहना है कि राज्य सरकार को पेट्रोल, डीजल की कीमतों में अविलम्ब कमी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करना चाहिए। जिससे आमजन को राहत मिल सकें। हालांकि सरकार ने चीनी व गुड़ से मंडी टैक्स हटाकर महंगाई कम करने का प्रयास किया है। इससे व्यापारिक वर्ग की एक पुरानी मांग पूरी हुयी है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है।)

संपादकीय

अजित की राकांपा

अतीजे अजित पवार से लड़ाई में महाराष्ट्र के 'चाणक्य' शरद पवार अपनी पार्टी का नाम और चिह्न दोनों हार गए हैं। निर्वाचन आयोग ने अजित पवार गुट को असली राकांपा माना है। वे पिछले साल जुलाई में 40 विधायकों के साथ राकांपा से अलग होकर एनड़ीए में शामिल हो गए थे। संख्या बल के आधार पर किए गए फैसले में आयोग ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न घड़ी अजित को दे दिया है। अब शरद को अपनी पार्टी नाम और चिह्न का चुनाव करना है। इसके साथ, उन्हें सर्वोच्च न्यायालय में आयोग के फैसले को चुनौती देना है। संसदीय राजनीति को जानने वाले जानते हैं कि चुनाव जब सिर पर हों तो पार्टी के नाम और चिह्न के लिए मशक्कत करना, फिर उसे जनता की जुबान पर नाम चढ़वाना ढ़लान से ऊपर पानी पहुंचाने जैसा दुष्कर होता है। इस लिहाजन, शरद पवार को इसका तात्कालिक घाटा राज्य सभा चुनाव एवं आगामी लोक सभा चुनाव में हो सकता है। उन्हें पार्टी संगठन का ढ़ांचा खड़ा करना एवं उसे चुनाव लड़ने के मोड़ में लाने के लिए जी-तोड़. कोशिश करनी होगी। हालांकि शरद पवार शून्य से शुरूआत करने का दम रखने वाले राजनीतिक हैं पर उम्र उनके सामने एक चुनौती है। दूसरे, महाराष्ट्र के सियासी माहौल को भांपते हुए उनके सगे-सिपहसलार भी साथ छोड़.रहे हैं। 'इंड़िया' गठबंधन में उनके साथी उद्धव ठाकरे भी जाते दिख रहे हैं। अब उनके साथ मुख्य रूप से कांग्रेस ही बचती है। इनके बावजूद शरद पवार के लिए यह एक नया अवसर भी है। अजित के लिए भी। राकांपा तोड़ने के वक्त एक गुटीय नेता, और इसके पहले चाचा के आज्ञाकारी भतीजे की परम्परागत छवि को लोकप्रिय जन-नेता में बदलने की उन्हें चुनौती होगी। यह तब और बढ़ जाती है, जब वे एनड़ीए में रहते, अपनी अलग विचारधारा रखते हुए पार्टी के भाजपा में मर्ज नहीं करने पर अड़े.हैं। इसे साधते हुए प्रदेश में वे शरद पवार जैसे दिग्गज हो पाते हैं, इसका दारोमदार उन पर है। वे प्रदेश की चौकोनी राजनीति में अपनी कैसी और कितनी अहमियत बना पाते हैं, यह देखना होगा। पर अभी जो हुआ है, उसका लाभ निस्संदेह एनड़ीए को मिलेगा। आम चुनाव पूर्व के सर्वेक्षण में उसे 33 सीटें मिलते हुए दिखाया गया है। यह-माइनस पवार-नए दल एवं गठबंधन के प्रति पुख्ता होते जन विश्वास का भी प्रमाण है। विस चुनाव बाद ही तस्वीर साफ होगी।

व्हाट्सएप चैट से, हेमंत सोरेन पर ईडी ने कसा शिकंजा

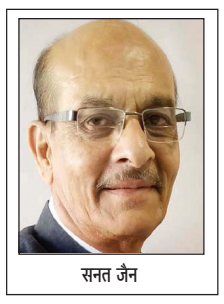

सनत जैन

झारखंड में जमीन घोटाले के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया गया है।उन्हें तहखाना में रखकर ईड़ी के अधिकारियों द्वारा पूछताछ की जा रही है। हेमंत सोरेन ने अभी तक अपना मोबाइल फोन ईड़ी को नहीं दिया है। इसके बाद भी ईड़ी के अधिकारियों ने पीएमएलए की विशेष कोर्ट में 539 पेज की व्हाट्सएप चैट ईड़ी के पास होने का दावा किया है।ईड़ी के अधिकारियों ने व्हाट्सएप चैट के कुछ पेज न्यायालय के सामने भी पेश किये हैं। जिसमें हेमंत सोरेन के फोन पर चैटिंग की गई थी, उससे संबंधित सूचनायें हैं। ईड़ी के अधिकारियों ने दावा किया है, कि उसमें ट्रांसफर पोस्टिंग एवं करोड़ों रुपए के लेनदेन के सबूत चैटिंग में मिले हैं। ईड़ी ने विशेष न्यायालय से रिमांड लेने के लिए यह भी जानकारी दी, कि हेमंत सोरेन के जिस फोन पर चैटिंग की गई है। वह फोन हेमंत सोरेन द्वारा ईड़ी को नहीं दिया गया है। अधिकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन तथ्यों को छुपाने की कोशिश कर रहे हैं। इस मामले में इतना तो स्पष्ट है, ईड़ी के अधिकारियों को हेमंत सोरेन ने मोबाइल फोन नहीं दिया है। जो चैटिंग की डिटेल ईड़ी के अधिकारियों ने विशेष न्यायालय में प्रस्तुत की है। वह फोन हेमंत सोरेन का है, या नहीं, यह भी प्रमाणित नहीं होता है। जब फोन ही जप्त नहीं हुआ, तो यह चैटिंग ईड़ी के अधिकारियों के पास कहां से आई। इसको लेकर भी तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। जिस विवादित जमीन के मामले में हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया गया है। 12 जून 2023 को भानु प्रसाद को ईड़ी के अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था।उसकी जो चार्ज शीट पेश की गई है,और जो दस्तावेज चार्ज शीट में। संलग्न किए गए हैं।उसके आधार पर ईड़ी के अधिकारियों ने हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया है। ईड़ी के अधिकारियों ने हेमंत सोरेन के दिल्ली स्थित आवास में गिरफ्तारी के तीन दिन पहले छापेमारी की थी। जब यह छापेमारी की गई थी,उस समय हेमंत सोरेन दिल्ली के आवास में नहीं मिले थे। उनकी अनुपस्थिति में छापेमारी कर दस्तावेज जप्त किए गए थे। दस्तावेज को जमीन घोटाले से जुड़ा हुआ बताया गया है। मनी लांड्रिंग के इस मामले में ईड़ी के अधिकारियों ने अभी तक जो भी कार्रवाई की है। उसमें व्हाट्सएप की चैटिंग को गिरफ्तार करने का आधार बनाया गया है। ईड़ी ने जिन लोगों की पहले गिरफ्तारी कर रखी है। उनके बयान को आधार बनाकर हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया गया है। मनी लांड्रिंग के केस में मनी ट्रेल साबित करना जरूरी होता है। अभी तक ईड़ी के अधिकारियों को मनी ट्रेल के कोई सबूत नहीं मिले हैं। निजता कानून के तहत तथा सोशल मीडिया के प्लेटफार्म चैट और बातचीत को गोपनीय बताते हैं। बिना मोबाइल फोन जप्त किये मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की 539 पेज की व्हाट्सएप चैट का जो दावा ईड़ी के अधिकारियों द्वारा किया गया है। उससे स्पष्ट है, कि जांच एजेंसियों द्वारा सोशल प्लेटफॉर्म से कोई भी जानकारी सरकार एवं जांच एजेंसी द्वारा प्राप्त की जा सकती है। मोबाइल फोन से की गई कोई भी चैटिंग गोपनीय नहीं है। सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा जांच एजेंसियों के साथ डेटा को शेयर किया जाता है। यदि यह सही है, तो मोबाइल फोन के माध्यम से की गई, किसी भी चैटिंग अथवा फोन पर की गई बातचीत को जांच एजेंसियों की पहुंच है। उसी के अनुसार जांच एजेंसियां कार्रवाई करते हुए, दोषी के ऊपर शिकंजा कसती हैं। व्हाट्सएप को अभी तक गोपनीय माना जाता है। व्हाट्सएप ऐप के जरिए की गई टेलीफोन पर बातचीत और चैटिंग को दो व्यक्तियों के बीच किए गए कम्युनिकेशन को गोपनीय बताया जाता है। लेकिन जिस तरह से जांच एजेंसी ईड़ी ने, पीएमएलए कोर्ट में जो जानकारी दी है।उसके अनुसार अब किसी भी किस्म की चैटिंग को गोपनीय नहीं माना जा सकता है। हेमंत सोरेन पर शिकंजा व्हाट्सएप चैट के माध्यम से कसा जा रहा है। इससे बाहर निकल पाना, हेमंत सोरेन के लिए बहुत मुश्किल होगा। जो लोग यह समझते हैं, कि व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से चैट को गोपनीय रखा जा सकता है, तो यह संभव नहीं है।सरकार की और जांच एजेंसियों की पहुंच हर मोबाइल फोन और उसमें की गई बातचीत और चैटिंग पर सीधी पहुंच है।

चिंतन-मनन

समय का चक्र

जब तुम्हें लगता है कि समय बहुत कम है, तुम या तो बेचैन होते हो या अत्यन्त सजगता की अवस्था में होते हो। दुखी या उत्सुक होने पर तुम्हें समय बहुत लम्बा लगता है। जब तुम प्रसन्न हो और जो कुछ कर रहे हो, उसमें आनंद आ रहा है, तब तुम्हें समय का आभास नहीं होता। इसी प्रकार, नींद में भी तुम्हें समय का आभास नहीं होता। जब तुम समय से आगे हो, समय कटता ही नहीं और नीरसता अनुभव होती है। जब समय तुम्हारे आगे है, तब तुम आश्चर्यचकित और स्तब्ध होते हो। तुम घटनाओं को आत्मसात नहीं कर पाते। गहन ध्यान में तुम ही समय हो और सब कुछ तुम्हारे ही अह-दर घटित हो रहा है। घटनाएं तुममें ऐसे घट रही हैं, जैसे आसमान में बादल गुजरते हैं।

जब तुम समय के साथ होते हो, तुम ज्ञानी हो, तुम्हारा मन शांत है। जब मन प्रसन्न होता है, तब यह विस्तृत होता है, तब समय भी बहुत छोटा लगता है। जब मन दुखी होता है, संकुचित होता है, तब समय बहुत लंबा प्रतीत होता है। जब मन समचित्त है, स्थिर है, तब यह काल के परे है। इन दोनों स्थितियों से बचने के लिए कई व्यक्ति शराब या निद्रा का सहारा लेते हैं, परंतु जब मन जड़ या बेसुध होता है, तब यह अपनी ही अनुभूति नहीं कर सकता। समाधि ही असल शांति है, जो मन और समय के परे है।

जैसे मन समय को अनुभव करता है, वैसे इस क्षण का भी अपना एक मन है। एक विराट मन, जिसमें व्यवस्था करने की अपरिमित और असीम योग्यता है। एक विचार और कुछ नहीं, समय के इस क्षण में एक तरंग है और समाधि के कुछ ही पल मन को ऊर्जा से भर देते हैं। निद्रावस्था के पहले और जिस पल तुम नींद से जगाते हो, सचेतनता के उन धूमिल क्षणों में, समय के परे जाने का अनुभव करो। जीवन साकार व निराकार का मिशण्रहै। भावनाओं का कोई आकार नहीं परंतु उनकी अभिव्यक्ति साकार होती है। आत्मा का कोई रूप नहीं परंतु उसका निवास साकार में है। इसी तरह, ज्ञान और कृपा का भी कोई रूप नहीं, लेकिन उनकी अभिव्यक्ति किसी रूप द्वारा ही होती है। निराकार को हटा देने से तुम जड़ बनते हो- सांसारिक और संवेदनशील। आकार को छोड़ देने से तुम एक भ्रमित तपस्वी, अत्यधिक सपने देखने वाले या भावनात्मक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति बन जाते हो।

स्वास्थ्यकर्मी: गुमनाम सिपाहियो को सलाम

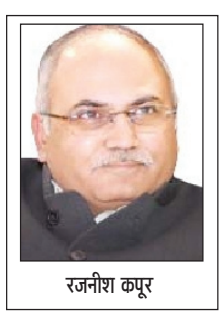

रजनीश कपूर

कहावत है, 'लड़ती है फौज और नाम कप्तान का होता है।' यह बात काफी हद तक सही है, क्योंकि फौज का कप्तान ही होता है जो सारी रणनीति बनाता है। यह बात हर उस जंग के लिए कही जा सकती है, जहां एक टीम के साथ उसका एक कप्तान होता है। परंतु हर टीम में गुमनाम सिपाही भी होते हैं, जिन्हें हम नजरअंदाज कर देते हैं। आज हम ऐसे ही कुछ गुमनाम सिपाहियों का जिक्र करेंगे जिनके योगदान के बिना देश की स्वास्थ्य सेवा अधूरी है। ये स्वास्थ्यकर्मी आपको हर अस्पताल या क्लिनिक में दिखाई देंगे पर आपने इनकी सेवा पर गौर नहीं किया होगा।

पिछले सप्ताह मुझे कुछ दिनों के लिए दिल्ली के एक बड़े अस्पताल में परिवार के एक सदस्य की तीमारदारी के लिए रु कना पड़ा। वहां पर हुए कुछ अनुभव के आधार पर लगा कि अस्पतालों में काम कर रहे स्वास्थ्यकर्मियों के बारे में पाठकों को जानकारी दी जाए। यह अस्पताल देश के कई बड़े अस्पतालों में से एक था, इसलिए यहां पर मरीजों और उनके रिश्तेदारों में एक विश्वास का माहौल दिखाई दे रहा था। ज्यादातर लोगों के पास मेडिक्लेम या सीजीएचएस की सुविधा होने के कारण उनके माथे पर अस्पताल के बिल को लेकर कोई खास दिक्कत नहीं दिखाई दी। दूसरी ओर कुछ मरीजों में महंगे इलाज को लेकर चिंता भी दिखाई दी परंतु आज का विषय मेडिक्लेम और महंगे इलाज का नहीं है। जब भी कभी आप अस्पताल गए होंगे तो आपका सामना सबसे पहले वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों से होता है। ये सुरक्षाकर्मी व्यवस्था बनाए रखने की नीयत से अस्पताल में आने वाले हर व्यक्ति को कभी प्यार तो कभी डांट से समझाते हुए दिखाई देते हैं। आपने अक्सर देखा होगा कि अस्पताल में आने वाले लोग प्रायः इन सुरक्षाकर्मियों से बुरा व्यवहार करते हैं परंतु देखा जाए तो ये तमाम सुरक्षाकर्मी अपनी ड्यूटी ही कर रहे होते हैं। उनके लिए अस्पतालों में आने वाले सभी लोग समान हैं। जब भी कभी किसी विशिष्ट व्यक्ति को अस्पताल में आना होता है तो उसका एक प्रोटोकॉल होता है, जिसका पालन वे अपने वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में करते हैं परंतु अस्पताल में आने वाला हर व्यक्ति यदि खुद को वीआईपी समझे और इन सुरक्षाकर्मियों को अपना सेवक, तो यह ठीक नहीं। अस्पतालों में व्यवस्था नहीं बनी रहेगी तो क्या वहां पर इलाज करने वाले डॉक्टर अपना काम शांति से कर पाएंगे? जरा सोचिए कि आप खुद को एक वरिष्ठ डॉक्टर को दिखा रहे हों और बिना किसी सुरक्षाकर्मी की तैनाती के, दरवाजे पर दूसरे मरीज कोहराम मचा रहे हों। ऐसे में डॉक्टर आपकी बीमारी पर ध्यान देगा या बाहर खड़ी भीड़ पर?

ठीक इसी तरह हर अस्पताल में भर्ती मरीजों से मिलने वालों के लिए भी नियम तय किए गए हैं। इन नियमों को सुचारु रूप से लागू किया जाए, इसलिए अस्पतालों के वार्ड में जाने वाले हर मार्ग पर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाती है। इन सुरक्षाकर्मियों की ड्यूटी होती है कि पासधारी या अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश दिया जाए। फिर भी आपने अक्सर कई लोगों को इन सुरक्षाकर्मियों से उलझते देखा होगा। क्या यह सही है? अस्पताल में मरीज अपना इलाज करवाने और आराम करने आता है। यहां भी मिलने वालों का तांता लगा रहे तो अस्पताल और घर में फर्क क्या रहेगा? कुछ मरीजों को संक्रमण का खतरा भी होता है, जो आगंतुकों के आने से बढ़ भी सकता है। इसलिए अस्पतालों में कुछ विशेष वार्डों में आगंतुकों का प्रवेश पूरी तरह वर्जित होता है। ऐसे कड़े नियम मरीज के हित में ही होते हैं। इसलिए अगली बार यदि आपको किसी सुरक्षाकर्मी द्वारा रोका या टोका जाए तो इस बात का ध्यान दें कि वो सुरक्षाकर्मी अपनी ड्यूटी कर रहा है, और इसमें आपको बुरा नहीं मानना चाहिए।

अब बात करें उन स्वास्थ्यकर्मियों की जो चुपचाप अपना काम करते हैं, और सुनिश्चित करते हैं कि अस्पताल परिसर और अस्पताल में भर्ती सभी मरीज एकदम स्वच्छ रहें। आप इन्हें अस्पताल के सफाईकर्मियों, वार्ड ब्वॉय, हाउसकीपर जैसे नामों से जानते हैं। इनका काम है अस्पताल के पूरे वातावरण को साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखना। किसी भी मरीज को वार्ड से किसी भी तरह की जांच के लिए ले जाना हो। मरीजों के बिस्तर बदलने हों। मरीजों के स्नान और सफाई की बात हो। मरीजों के ऑपरेशन से पहले की तैयारी हो। मरीजों को टॉयलेट लेकर जाना हो। वे हर मरीज के साथ अपनों सा व्यवहार करते दिखाई देते हैं परंतु इसके बावजूद इन्हें मरीजों और उनके रिश्तेदारों से शायद ही कभी सराहा जाता होगा। ज्यादातर स्वास्थ्यकर्मी मरीजों की सेवा करने के बावजूद बुरे बर्ताव का सामना करते हैं, और फिर भी मुस्कुराते हुए काम करते रहते हैं।

हम अक्सर अस्पतालों से छुट्टी के समय डॉक्टरों और नर्सों का आभार प्रकट कर चल देते हैं जबकि यह भी उल्लेखनीय है कि अस्पतालों में तैनात हर वो व्यक्ति स्वास्थ्यकर्मी है जो पूरी व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग देता है। चाहे सुरक्षाकर्मी हो, वार्ड ब्वॉय हो या सफाई कर्मचारी। आखिर, वे भी इंसान हैं, और उनके साथ न तो बुरा व्यवहार होना चाहिए और न ही उनकी उपेक्षा की जानी चाहिए।

क्रांति समय

शनिवार 10-फरवरी-2024

वेपार 3

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पेटीएम ई-कॉमर्स ने अपना नाम बदलकर पाई प्लेटफॉर्म्स किया

नई दिल्ली । पेटीएम ई-कॉमर्स कंपनी ने अपना नाम बदलकर पाई प्लेटफॉर्म्स कर लिया है। साथ ही ऑनलाइन खुदरा कारोबार में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए बिट्सिला का अधिग्रहण किया है। बिट्सिला ओएनडीसी पर एक विक्रेता मंच है। सूत्रों के मुतो बिक कंपनी ने करीब तीन महीने पहले नाम बदलने के लिए आवेदन किया था। आठ फरवरी को उसे कंपनी रजिस्ट्रार से मंजूरी मिल गई। कंपनी रजिस्ट्रार की की अधिसूचना के अनुसार इस प्रमाणपत्र की तारीख से कंपनी का नाम पेटीएम ई-कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड से बदलकर पाई प्लेटफॉर्म्स प्राइवेट लिमिटेड कर दिया गया है। एलिवेशन कैपिटल पेटीएम ई-कॉमर्स में सबसे बड़ा शेयरधारक है। सूत्रों ने बताया कि कंपनी ने अब इनोबिट्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (बिट्सिला) का अधिग्रहण कर लिया है। इसे 2020 में पेश किया गया था। यह फुल-स्टैक ओमनीचैनल और हाइपरलोकल कॉमर्स क्षमता के साथ ओएनडीसी विक्रेता मंच के रूप में काम करता है। ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एक पहल है। इसका मकसद छोटे खुदरा विक्रेताओं को डिजिटल कॉमर्स का फायदा उठाने में मदद करने के वास्ते एक सुविधाजनक मॉडल तैयार करना है। बताया जा रहा है` कि पाई प्लेटफॉर्म्स ओएनडीसी नेटवर्क पर एक अग्रणी खरीदार मंच है और बिट्सिला अधिग्रहण से इसकी वाणिज्य गतिविधियों को और बढ़ावा मिलेगा।

बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने सैंडोज के साथ किया समझौता

नई दिल्ली । बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने ऑस्ट्रेलिया में कैंसर उपचार संबंधी दो बायोसिमिलर उत्पादों की बिक्री तथा वितरण के संबंध में दवा कंपनी सैंडोज एजी के साथ पांच साल का समझौता किया है। बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने कहा कि यह समझौता सैंडोज को ऑस्ट्रेलिया में बायोसिमिलर ट्रैस्टुजुमैब और बेवाकिजुमैब को बढ़ावा देने, बेचने तथा वितरित करने का विशेष अधिकार प्रदान करता है। बायोकॉन बायोलॉजिक्स, बायोकॉन लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी है। बायोकॉन बायोलॉजिक्स के एक वे रिष्ठ वाणिज्यिक अधिकारी ने कहा` कि जापान में सैंडोज के साथ हमारी हाल ही में की गई रणनीतिक साझेदारी के बाद ऑस्ट्रेलिया में सैंडोज के साथ हमारा समझौता हमारी वैश्विक साझेदारी तथा विकास रणनीति में एक और उपलब्धि है।

एलआईसी का दिसंबर तिमाही में मुनाफा बढ़कर 9,444 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही का मुनाफा 49 प्रतिशत बढ़कर 9,444 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी का मुनाफा बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 6,334 करोड़ रुपए रहा था। एलआईसी के निदेशक मंडल ने शेयरधारकों के लिए 10 रुपए के अंकित मूल्य पर प्रति शेयर चार रुपए का लाभांश देने का भी फैसला किया है। लाभांश का भुगतान अगले 30 दिन में कर दिया जाएगा। एलआईसी कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि अक्टूबर-दिसंबर, 2023 तिमाही में उसकी प्रीमियम आय बढ़कर 1,17,017 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 1,11,788 करोड़ रुपए थी। एलआईसी की कुल आय समीक्षाधीन तिमाही में बढ़कर 2,12,447 करोड़ रुपए हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,96,891 करोड़ रुपए रही थी।

मोदी सरकार ने 12,343 करोड़ के रेल प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

- पीएम ने कहा, रेल परियोजनाओं की मंजूरी से बुनियादी ढांचे को बढ़ावा मिलेगा

नई दिल्ली ।

आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने रेल मंत्रालय की छह परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान कर दी है, जिनकी अनुमानित लागत लगभग 12,343 करोड़ रुपये है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा अनुमोदित परियोजनाओं का वित्त पोषण केंद्र सरकार करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए विभिन्न फैसलों की सराहना की और कहा कि रेल परियोजनाओं की मंजूरी से बुनियादी ढांचे को बढ़ावा मिलेगा और व्यस्त मार्गों पर भीड़ कम होगी। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से वाणिज्य के साथ-साथ कनेक्टिविटी में भी सुधार होगा। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मंत्रिमंडल द्वारा मत्स्य पालन अवसंरचना विकास कोष (एफआईडीएफ) के विस्तार से मत्स्य पालन क्षेत्र में लोगों के लिए बेहतर ऋण पहुंच सुनिश्चित होगी और संबंधित बुनियादी ढांचे के निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। सरकार ने बृहस्पतिवार को असंगठित मत्स्य पालन क्षेत्र को औपचारिक रूप देने, सूक्ष्म और लघु उद्यमों को संस्थागत वित्त की सुविधा देने और जलकृषि बीमा को बढ़ावा देने के लिए 6,000 करोड़ रुपये की योजना की घोषणा की। इसके साथ ही सरकार ने 7,522.48 करोड़ रुपये के पहले से स्वीकृत कोष और 939.48 करोड़ रुपये के बजटीय समर्थन से मत्स्य पालन अवसंरचना विकास कोष (एफआईडीएफ) को अगले तीन वर्षों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 तक बढ़ाने का भी निर्णय लिया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर पोस्ट किया कि राजस्थान, असम, तेलंगाना, गुजरात, आंध्र प्रदेश और नगालैंड में 12,343 करोड़ रुपये की छह मल्टी ट्रैक परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद। सरकार के अनुसार छह राज्यों के 18 जिलों को कवर करती इन परियोजनाएं से भारतीय रेलवे का मौजूदा नेटवर्क 1,020 किलोमीटर तक बढ़ेगा।

मारुति सुजुकी अर्टिगा का बिक्री आंकड़ा 10 लाख के पार

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी इंडिया के बहुउद्देश्यीय वाहन (एमपीवी) अर्टिगा ने 10 लाख बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। मारुति सुजुकी इंडिया के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि अर्टिगा ने उन्नत प्रौद्यागिकी से लैस वाहन के तौर पर एमपीवी की अवधारणा को फिर से परिभाषित किया है। उन्होंने कहा कि यह मॉडल शहरी तथा ग्रामीण दोनों बाजारों में 37.5 प्रतिशत की प्रभावशाली बाजार हिस्सेदारी के साथ देशभर में लोकप्रिय रहा है। मोटर वाहन कंपनी घरेलू बाजार के अलावा 80 से अधिक देशों में इसका निर्यात भी करती है।

42 फीसदी किराना व्यापारियों ने पेटीएम से बनाई दूरी

नई दिल्ली । पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रतिबंध की घोषणा के बाद से ही पेटीएम को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। एक तरफ जहां पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्‍युनिकेशन्‍स के शेयर औंधे मुंह गिरे हैं, वहीं पेटीएम ऐप से भी अब दुकानदार दूरी बना रहे हैं। देश भर के किराना दुकानदार ग्राहकों से कह रहे हैं पेटीएम न करो! किराना क्लब के एक सर्वे के मुताबिक पिछले हफ्ते पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ आरबीआई के प्रतिबंधों के बाद भारत में 42 फीसदी किराना स्टोर्स पेटीएम से दूर हो गए हैं और अन्य पेमेंट ऐप पर स्विच कर चुके हैं। इस सर्वे में 5,000 किराना दुकानदारों को शामिल किया गया था। सर्वे के मुताबिक लगभग 20 फीसदी ने कहा कि वे अन्य पेमेंट ऐप्स का इस्‍तेमाल करना चाहते हैं। किराना के लब के सर्वे में सामने आया है कि आरबीआई के एक्शन के बाद 68 फीसदी भारतीय किराना स्टोर्स का पेटीएम पर भरोसा कम हो गया है। किराना के लब के सर्वे बताता है कि जो खुदरा विक्रेता पेमेंट के लिए अन्य ऐप का इस्तेमाल कर रहे हैं या करने की सोच रहे हैं, उनमें से 50 फीसदी विक्रेताओं ने फोन पे का रुख किया है, जबकि 30 फीसदी ने गूगल पे और 10 फीसदी ने भारत पे को अपनाया है। रिजर्व बैंक ने 31 जनवरी को पेटीएम पेमेंट्स बैंक को अपने अकाउंट्स और डिजिटल वॉलेट में 1 मार्च से नई जमाएं स्वीकार करने से प्रतिबंधित कर दिया था।

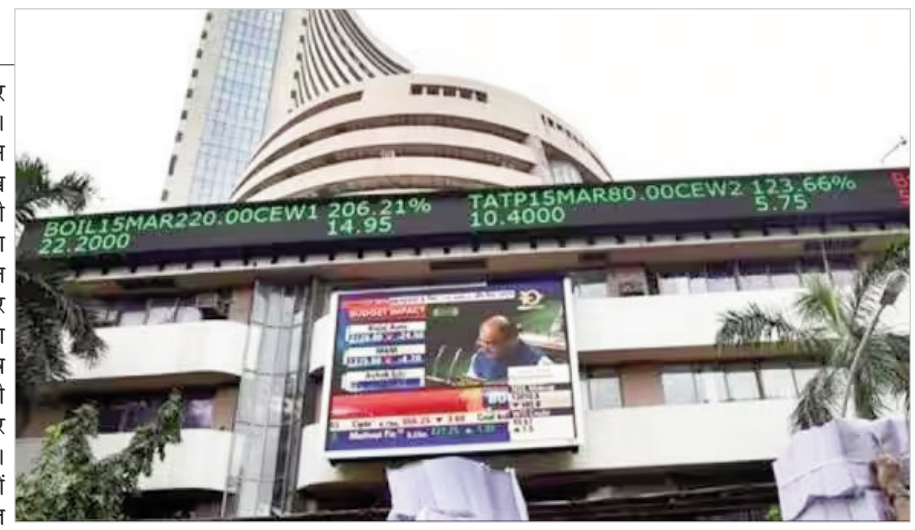

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिश्रित रुख के बाद भी बाजार में ये तेजी रिलायंस इंडस्ट्रीज तथा आईटीसी के शेयरों में उछाल से आयी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स उतार चढ़ाव के बाद अंत में 0.23 फीसदी करीब 167.06 अंक बढ़कर 71,595.49 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 0.3 फीसदी तकरीबन 64.55 अंक ऊपर आकर 21,782.50 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में स्टेट बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 3.55 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। इसके साथ ही सनफार्मा, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, टाइटन, बजाज फाइनेंस, कोटक बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी के शेयर बढ़त पर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर में सबसे ज्यादा 2.40 फीसदी की गिरावट आई। इसके अलावा भारती एयरटेल, एनटीपीसी, टाटा स्टील, इन्फोसिस सहित 14 कंपनियों के शेयर नीचे आकर बंद हुए। बाजार में ये उछाल बैंकिंग और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में तेजी के कारण बाजार को बल मिलने आया है। इससे पहले गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले और उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद हरे निशान में लौट आये। सेंसेक्स कल के बंद भाव 71,428.43 की तुलना में मामूली गिरावट लेकर 71,410.29 पर खुला।

एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.6 फीसदी बढ़कर 34 साल के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया। एएसएक्स 200 0.18 फीसदी ऊपर था जबकि हैंग सेंग 1.7 फीसदी गिरा। अमेरिकी शेयर बाजार का एसएंडपी 500 भी 0.06 फीसदी बढ़ गया। वहीं डॉव 0.13 फीसदी बढ़ गया और नैस्डैक 0.24 फीसदी बढ़ा।।

सेबी ने टीवी चैनल पर 10 अतिथि विशेषज्ञों, फर्मों पर लगाया प्रतिबंध

- शेयरों में कथित हेराफेरी का मामला

मुंबई ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक आर्थिक समाचार चैनल पर आने वाले अतिथि विशेषज्ञों सहित 10 संस्थाओं को प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया। इसके साथ ही सेबी ने शेयरों में कथित हेराफेरी के जरिये इन इकाइयों द्वारा जुटाए गए 7.41 करोड़ रुपये के गैरकानूनी लाभ को जब्त करने का निर्देश भी दिया है। सेबी ने अपनी जांच में पाया कि कुछ अतिथि विशेषज्ञ समाचार चैनल पर शेयर संबंधी अपनी सिफारिशों के प्रसारण से पहले ही कुछ फर्मों को अपनी अनुशंसाओं के बारे में अग्रिम जानकारी साझा कर देते थे। सेबी ने अपने अंतरिम आदेश में कहा कि अतिथि विशेषज्ञों किरण जाधव, आशीष केलकर, हिमांशु गुप्ता, मुदित गोयल और सिमी भौमिक से शेयर अनुशंसा संबंधी अग्रिम जानकारी के आधार पर निर्मल कुमार सोनी, पार्थ सारथी धर, एसएएआर कमोडिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मनन शेयरकॉम प्राइवेट लिमिटेड और कन्हैया ट्रेडिंग कंपनी ने उन सौदों को पूरा कर लाभ कमाया। सेबी ने कहा कि इन संस्थाओं ने ऐसे शेयर सौदों के निपटान से 7.41 करोड़ रुपये का गैरकानूनी लाभ कमाया और इस लाभ को सहमति के तहत अतिथि विशेषज्ञों के साथ साझा भी किया गया। नियामक ने कहा कि इस तरह ये सभी संस्थाएं सौदा निपटान से हुई आय को जब्त करने के लिए संयुक्त रूप से और अलग-अलग उत्तरदायी हैं।

सस्ता हो सकता है हवाई सफर

नई दिल्ली । बढ़ते हवाई किराये पर लगाम लगाने के लिए संसदीय समिति ने स्पेसिफिक रुट्स पर हवाई किराये की अधिकतम सीमा निर्धारित करने का प्रस्ताव रखा। समिति ने हवाई टिकट की कीमतों पर नियंत्रण रखने के लिए एक अलग इकाई स्थापित करने का भी प्रस्ताव रखा है। हवाई किराये पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय की प्रतिक्रियाओं पर विचार करने के बाद समिति ने कहा कि एयरलाइंस द्वारा टिकट की कीमतों का स्व-नियमन असरदार नहीं रहा है। फिलहाल हवाई किराया न तो सरकार तय करती है और न ही इसका विनियमन करती है। परिवहन, पर्यटन और संस्कृति पर गठित संसदीय समिति ने हवाई किराये के निर्धारण के मुद्दे पर अपनी सिफारिशों एवं टिप्पणियों पर सरकार द्वारा की गई कार्रवाई पर रिपोर्ट पेश की। समिति ने रिपोर्ट में कहा कि ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं जहां खासकर त्योहारों या छुट्टियों के दौरान हवाई किराये में असामान्य वृद्धि हुई है। समिति की राय है कि एयरलाइंस का स्व-नियमन प्रभावी नहीं रहा है, यह भी सिफारिश की गई है कि एक तंत्र विकसित किया जा सकता है जिससे नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को हवाई किराया विनियमित करने का अधिकार दिया जा सके।

महाराष्ट्र चीनी मिलों की चालू सीजन में अप्रैल तक गन्ना पेराई की योजना

- राज्य में अब तक लगभग 72.33 लाख टन चीनी का उत्पादन किया गया

मुंबई । महाराष्ट्र में चीनी सीजन उत्पादन जारी है, इसके साथ ही राज्य में चीनी मिलों ने गन्ना पेराई बंद करना शुरु कर दिया है। हालांकि राज्य सरकार इस साल गन्ना पेराई सत्र पिछले साल के मुकाबले लंबा रखने की योजना तैयार कर रही है, ताकि गन्ना पेराई पूरी हो सके। इस साल सूखे की वजह से महाराष्ट्र में गन्ना उत्पादन पर बुरा असर पड़ा है। जिसकी वजह से मिलों ने पेराई सत्र लंबा रखने की योजना बनाई हैं । चीनी उद्योग के विशेषज्ञों का अनुमान है कि मिलें अगले दो महीनों तक और पेराई जारी रखेंगी, ताकि गन्ने की बढ़ी हुई उपलब्धता से लाभ हो सके। इस बार पेराई सत्र अप्रैल तक चलने की उम्मीद है। महाराष्ट्र चीनी मिलों ने पेराई बंद करना भी शुरू कर दिया है। चीनी आयुक्तालय के आकड़ों के मुताबिक सीजन 2023-24 में 05 फरवरी, 2024 तक महाराष्ट्र में 4 चीनी मिलें बंद हो गई है, जबकि इसी समय पिछले सीजन 5 चीनी मिलों ने पेराई बंद किया था। सोलापुर विभाग में एक चीनी मिल, छत्रपति संभाजी नगर विभाग में दो चीनी मिल और नांदेड़ विभाग में एक चीनी मिल ने पेराई सत्र बंद कर दिया है। इस सीजन कुल मिलाकर 207 चीनी मिलों ने पेराई में भाग लिया था। जिसमें 103 सहकारी एवं 104 निजी चीनी मिलें शामिल है और 743.25 लाख टन गन्ने की पेराई की जा चुकी है। राज्य में अब तक लगभग 72.33 लाख टन चीनी का उत्पादन किया गया है। पिछले सीजन में इसी समय 208 चीनी मिलें शुरू थी और उन्होंने 820.55 लाख टन गन्ना पेराई कर 803.07 लाख क्विंटल चीनी का उत्पादन किया था। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के बाद महाराष्ट्र गन्ना का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। चीनी आयुक्तालय की रिपोर्ट के मुताबिक 31 जनवरी 2024 के अंत तक राज्य की चीनी मिलों ने किसानों के बैंक खातों में एफआरपी का 91.45 फीसदी यानी 16,126 करोड़ रुपये जमा कर दिए है।

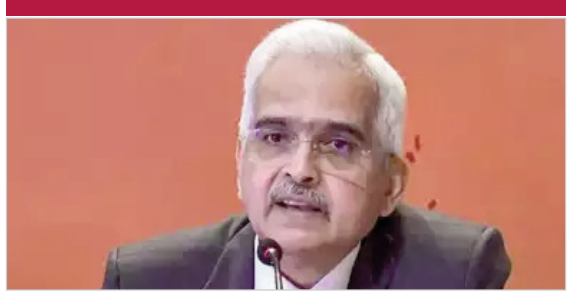

आईटीसी का शेयर 4 फीसदी फिसलकर बंद हुआ

मुंबई ।

ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको (बीएटी) के आईटीसी में कुछ हिस्सेदारी बेचने की खबरों के बीच सिगरेट से लेकर होटल कारोबार करने वाली कंपनी के शेयर में गिरावट देखी गई। बीएटी के पास टोबैको मैन्युफैक्चरर्स (इंडिया) लिमिटेड, मायडलटन इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड और रोथमैन्स इंटरनेशनल एंटरप्राइजेज लिमिटेड के जरिये आईटीसी में 29.03 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस खबर के बाद आईटीसी का शेयर गुरुवार को 4.15 प्रतिशत तक फिसलकर 431.90 रुपये के पिछले बंद स्तर के मुकाबले 414 रुपये के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। कारोबार के अंत में बीएसई पर आईटीसी का शेयर 4.04 प्रतिशत की गिरावट लेकर 414.45 रुपये पर बंद हुआ। बीएटी ने एक बयान में कहा` कि हम बैलेंस शीट में मजबूती को बढ़ाने के लिए सभी अवसरों का प्रयास करना जारी रख रहे हैं और इसके हिस्से के रूप में हम नियमित रूप से आईटीसी में अपनी हिस्सेदारी की समीक्षा कर रहे हैं। हम मानते हैं कि हमारे पास एक महत्वपूर्ण शेयरधारिता है जो हमें कुछ पूंजी जारी करने और पुनः आवंटित करने का अवसर प्रदान करती है। आईटीसी के शेयरों में गिरावट का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ा। वो इसलिए क्योंकि आईटीसी तीस शेयरों वाले बीएसई सेंसक्स में हैवी वेटेज कंपनी है। आईटीसी का 31 दिसंबर को समाप्त तिमाही में मुनाफा एक साल पहले की तुलना में 10.8 फीसदी बढ़कर 5,572 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का परिचालन से रेवेन्यू 2 प्रतिशत बढ़कर 17,665 करोड़ रुपये हो गया, जबकि सिगरेट कारोबार 3.6 प्रतिशत बढ़ा।

खाद्य कीमतों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है: दास

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि खाद्य कीमतों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और मुख्य मुद्रास्फीति कम करने की राह में प्रभाव डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2022 के गर्मियों के मौसम के उच्च स्तर से मुद्रास्फीति काफी कम हुई है। लेकिन इसे लक्ष्य के दायरे में लाने का काम अभी पूरा नहीं हुआ है और हमें आपूर्ति पक्ष की नई अड़चनों को लेकर सतर्क रहना होगा क्योंकि यह अभी तक की प्रगति पर पानी फेर सकती है। बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए आरबीआई के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने कहा कि जहां तक उधारी दरों को कोष की सीमांत लागत दर (एमसीएलआर) से जोड़ने की बात है तो यह अभी तक पूरा नहीं हुआ है। जमा दरें तेजी से बढ़ी हैं मगर उधारी के मामले में ज्यादा तेजी नहीं दिखाई गई। बार्कले के अर्थशास्त्री ने कहा कि हमारे उम्मीद के विपरीत आरबीआई गवर्नर और मौद्रिक नीति समिति का बयान दिसंबर की बैठक की तरह ही सतर्क दिखा। आरबीआई ने अगले वित्त वर्ष के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर 7 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। इसी तरह वित्त वर्ष 2025 में मुद्रास्फीति 4.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। आरबीआई के अनुसार अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में खुदरा मुद्रास्फीति 5 फीसदी रहेगी और दूसरी तिमाही में यह घटकर 4 फीसदी रह जाएगी। ऐसे में रीपो दर में कटौती वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही से पहले होने की संभावना नहीं है।

एचडीएफसी बैंक के अर्थशास्त्री ने कहा कि आरबीआई ने नीति में बदलाव के लिए काफी कम गुंजाइश छोड़ी है, जिससे अगस्त 2024 से पहले रीपो में कटौती की उम्मीद नहीं है।

भारत में लान्च के लिए ये कारें हैं तैयार

पेट्रोल और डीजल कारों के साथ इलेक्ट्रिक कारें भी शामिल

नईदिल्ली । चालू साल में लान्च के लिए 7 कारें तैयार है । मारुति सुजुकी, महिंद्रा, टाटा मोटर्स और हुंडई समेत कई कंपनियां इस साल नई कारों को लान्च करने की तैयारी कर रही हैं। इनमे पेट्रोल और डीजल कारों के साथ इलेक्ट्रिक कारें भी शामिल होंगी। इसी क्रम में मारुति सुजुकी ईवीएक्स कान्सेप्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी 2024 के फेस्टिव सीजन के दौरान आएगी। इसे टोयोटा के 27पीएल स्केटबोर्ड प्लेटफॉर्म पर डिजाइन किया जाएगा। मारुति सुजुकी ने पहले ही पुष्टि कर दी है कि उसकी पहली ईवी में अदास तकनीक, एक फ्रेमलेस रियरव्यू मिरर और 360-डिग्री कैमरा जैसे कई एडवांस फीचर्स से लैस होगी। 2024 मारुति स्विफ्ट एक पॉपुलर हैचबैक है, जो नए जेनरेशन के रूप में आएगा। यह नए डिजाइन, इंटीरियर और टेक्नोलॉजी के साथ आएगा और 1.2 लीटर का हाइब्रिड पेट्रोल इंजन लगाएगा, जो अधिक माइलेज और परफॉर्मेंस देगा। न्यू जनरेशन स्विफ्ट को 6 लाख रुपये की एक्स-शोरूम कीमत पर लॉन्च किया जा सकता है। उम्मदी है कि कंपनी इसे मार्च 2024 के आस पास लान्च करेगी। टाटा कर्व एक कूपे डिजाइन की एसयूवी है जिसकी पोजिशन नेक्सन के ऊपर होगी। यह कंपनी की पहली कूपे एसयूवी है। यह 2024 की दूसरी छमाही में भारत में लॉन्च हो सकती है। हुंडई क्रेटा पर आधारिक इलेक्ट्रिक एसयूवी को 2024 के अंत में पेश किया जा सकता है। इसका डिजाइन और स्टाइल अपडेटेड क्रेटा पर बेस्ड होगा। इसको एलजी केमिकल से प्राप्त 45केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ पेश किया जाएगा।महिंद्रा थार 5-डोर एक ऑफ-रोड एसयूवी है, जो थार का 5-डोर वर्जन है। यह अधिक स्पेस और कॉम्फर्ट के साथ आएगा और दो इंजन विकल्पों के साथ उपलब्ध होगा - 2.0 लीटर का पेट्रोल और 2.2 लीटर का डीजल। इसकी अनुमानित कीमत 15 लाख रुपये है और यह 2024 के मार्च में लॉन्च हो सकती है। महिंद्रा एक्सयूवी 300 फेसलिफ्ट एक कॉम्पैक्ट एसयूवी है, जो एक्सयूवी300 का फेसलिफ्ट वर्जन है। यह नए डिजाइन और फीचर्स के साथ आएगी और 1.2 लीटर का टर्बो पेट्रोल और 1.5 लीटर का डीजल इंजन से लैस होगी। कंपनी इसे 9 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर मार्च 2024 में लॉन्च कर सकती है।महिंद्रा बोलेरो नियो प्लस एक सबकॉम्पैक्ट एमयूवी है, जो बोलेरो नियो का बड़ा वर्जन है। यह 9 सीटर कैपेसिटी के साथ आएगा और 1.5 लीटर का डीजल इंजन लगाएगा, जो 100 बीएचपी का पावर और 260 एनएम का टॉर्क उत्पन्न करेगा। कंपनी इसे 10 लाख रुपये की एक्स-शोरूम कीमत पर उतार सकती है।

रणजी ट्रॉफी 2024~चेतेश्वर पुजारा के नाम दर्ज एक और शतक, इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट स्क्वॉड में वापसी की उम्मीद जगी

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम के सीनियर खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा रणजी ट्रॉफी में सौराष्ट्र की ओर से खेल रहे हैं। इस दौरान उन्होंने राजस्थान के खिलाफ मुकाबले में 110 रनों की अहम पारी खेली। उनकी इस बेहतरीन पारी से उनके टीम इंडिया में वापसी की उम्मीदें जगी हैं। दरअसल, 7-11 जून 2023 को खेले गए मैच के बाद से पुजारा ने भारत की ओर से कोई भी टेस्ट मैच नहीं खेला है। जिसके बाद उनकी इस शतकीय पारी ने भारतीय टेस्ट स्क्वॉड का दरवाजा एक बार पिर से खटखटाया है। बता दें कि, राजस्थान के खिलाफ सौराष्ट्र ने 74 रनों तक तीन विकेट गंवा दिए थे। जिसके बाद टीम मुश्किल में नजर आ रही थी, लेकिन पुजारा ने शेल्डन जैक्सन के साथ मिलकर स्कोर 242 रनों तक पहुंचाया और आउट होने से पहले सौराष्ट्र को काफी मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। सौराष्ट्र ने पहले ही दिन का खेल खत्म होने तक पहली पारी में चार विकेट पर 242 रन बना लिए हैं। वहीं वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2021-23 के फाइनल मैच के बाद से पुजारा की टीम इंडिया में वापसी नहीं हो पाई है। उन्हें साउथ अफ्रीका दौरे के लिए भी टेस्ट स्क्वॉड में नहीं चुना गया। उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज में भी उनकी अनदेखी की गई। लेकिन मौजूदा स्थिति को देखते हुए रणजी ट्रॉफी में उनके प्रदर्शन को देखते हुए पुजारा की लगता है इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी तीन टेस्ट मैचों के लिए स्क्वॉड में वापसी हो सकती है।

फिलहाल, इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी तीन टेस्ट मैचों के लिए भारतीय स्क्वॉड का ऐलान होना अभी बाकी है। पुजारा का ये शतक सेलेक्टर्स पर भी दबाव बनाने का काम कर सकता है। इसके अलावा विराट कोहली की वापसी को लेकर भी अभी सस्पेंस है।

रविन्द्र जडेजा के परिवार का विवाद सामने आया, पिता ने अनदेखी का आरोप लगाया

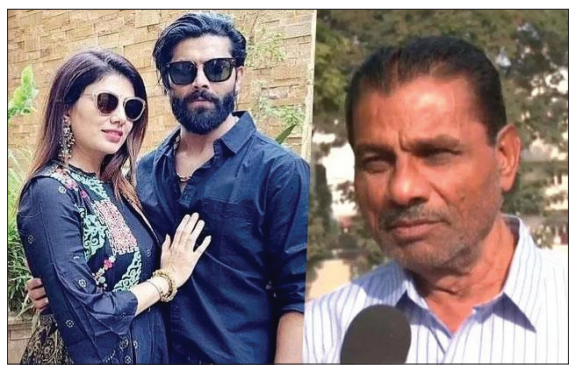

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट रविन्द्र जडेजा के परिवार में विवाद का मामला सामने आया है। इस क्रिकेटर के पिता अनिरुद्ध जडेजा ने कहा है अगर वह अपने बेटे को क्रिकेटर नहीं बनाते तो अच्छा रहता। उन्होंने कहा कि बहू रिवाबा ने बेटे को उनसे दूर कर दिया है। जडेजा और उनके पिता अलग अलग रहते हैं। जडेजा के पिता का कहना है कि बेटे की शादी के तीन चार महीने बाद ही परिवार में विवाद शुरू हो गया था। पिता का कहना है कि उनकी बहू को केवल पैसों से मतलब है।

जडेजा के पिता ने अपने पिछले दिनों को याद किया और कहा कि किस तरह से उन्होंने चौकीदार की नौकरी करके बेटे को क्रिकेटर बनाया पर अब वह उनसे ही अलग रहता है।

जडेजा के पिता जामनगर में एक 2 बीएचके फ्लैट में रहते हैं। उन्होंने कहा कि रवींद्र के परिवार में ससुराल का अधिक दखल है। उन्होंने कहा कि रवींद्र को उनकी बड़ी बहन नयनाबा ने पाल पर अब उसे उससे भी मतलब नहीं है। जडेजा चोट की वजह से इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाये। उनके तीसरे टेस्ट में खेलने की संभावना है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ डेविड वॉर्नर ने मचाई तबाही, 70 रन जड़कर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक नया रिकॉर्ड अपने नाम किया है। दरअसल, इंटरनेशनल क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में मैचों का शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में वो तीसरे नंबर हैं। उनसे पहले विराट कोहली और न्यूजीलैंड के रोस टेलर ही ऐसे खिलाड़ी हैं। जिन्होंने तीनों फॉर्मेट में कम से कम 100 मैच खेले हैं। वॉर्नर ने 100 से ज्यादा टेस्ट और वनडे इंटरनेशनल मैच खेले हैं।

बता दें कि, ऑस्ट्रेलिया बनाम वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज के पहले मैच में वॉर्नर ने महज 36 गेंदों पर 70 रन ठोके। इस दौरान वॉर्नर ने 12 चौके और एक छक्का लगाया। वह दुनिया के पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट, 100वें वनडे और 100वें टी20 इंटरनेशनल मैच में 50+ रन बनाए हैं।

वॉर्नर ने अपना 100वां टेस्ट मैच साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। तब वॉर्नर ने 255 गेंदों पर 200 रन बना डाले। इसके बाद 100वां वनडे इंटरनेशनल मैच उन्होंने भारत के खिलाफ खेला था, जिसमें वॉर्नर ने 110 गेंदों पर 124 रन बनाए थे। अपने 100वें टी20 इंटरनेशनल मैच में वॉर्नर ने 70 रन ठोक डाले। डेविड वॉर्नर टेस्ट और वनडे फॉर्मेटसे संन्यास का ऐलान कर चुके हैं, जबकि टी20 इंटरनेशनल फॉर्मेट में वह खेलना जारी रख रहे हैं।

वॉर्नर को दुनिया के सबसे सफल सलामी बल्लेबाजों में शामिल किया जाता है, इसके अलावा तीनों फॉर्मेट में उन्होंने जिस तरह के रिकॉर्ड्स बनाए हैं। वे अविश्वसनीय हैं। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 20 ओवर में सात विकेट पर 213 रन बनाए हैं। जोश इंग्लिस ने 25 गेंदों पर 39 रनों की पारी खेली। वहीं टिम डेविड ने 17 गेंदों पर नॉटआउट 37 रन जड़ डाले।

स्ट्रेकर ने अंडर 19 क्रिकेट विश्वकप में बना रबाडा का रिकार्ड तोड़ा

बेनोनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के युवा तेज गेंदबाज ट्रॉम स्ट्रेकर की घातक गेंदबाजी से ही पाकिस्तान की टीम अंडर 19 क्रिकेट विश्वकप सेमीफाइनल में 179 रन ही बना पायी। स्ट्रेकर ने केवल 24 रन छह विकेट लेकर पाक बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया। इस तेज गेंदबाज की गेंदों का ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। उसने शुरुआती ओवरों के बाद डेथ ओवरों में भी धातक गेंदबाजी की। इस दौरान स्ट्रेकर ने मेजबान दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा का एक दशक पुराना एक रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।.

यह अंडर 19 विश्व कप के इतिहास में सेमीफाइनल या फाइनल में किसी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। गौरतलब है कि इससे पहले रबाडा ने साल 2014 में अंडर 19 विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 25 रन देकर 6 विकेट लिए थे। स्ट्रेकर ने रबाडा का सर्वश्रेष्ट गेंदबाजी आंकड़े कारिकार्ड तोड़ा है। इस सूची में भारत के अंगद राज बावा तीसरे नंबर पर हैं जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 31 रन देकर 5 विकेट लिए थे.

स्ट्रेकर की गेंदबाजी के कारण ही पाक की टीम पूरे ओवर भी बल्लेबाजी नहीं कर पाई। पाक टीम 179 रन ही बना पायी। उसके 8 बल्लेबाज तो दो अंकों से आगे तक नहीं निकल पाये। स्ट्रेकर अंडर 19 विश्व कप के इस सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में 5वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने अभी तक 5 मैचों में 12 विकेट लिए हैं।

24 वर्षीय बल्लेबाज ने रचा इतिहास, वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले पहले श्रीलंकाई बने

स्पोर्ट्स डेस्क। अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे मैच में श्रीलंका के 24 वर्षीय बल्लेबाज पथुम निस्सांका ने इतिहास रच दिया है। पथुम श्रीलंका की तरफ से वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले पहले क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने 139 गेंदों पर 151 की स्ट्राइक रेट से 210 रन बनाए जिसमें 20 चौके और 8 छक्के लगाए। इसी के साथ ही वनडे में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने के मामले में उन्होंने क्रिस गेल और वीरेंद्र सहवाग का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है।

वनडे में सबसे तेज दोहरे शतक लगाने वाले

126 - ईशान किशन बनाम बांग्लादेश
128 - ग्लेन मैक्सवेल बनाम अफगानिस्तान
136 - पथुम निसांका वी अफगानिस्तान
138 - क्रिस गेल बनाम जिम्बाब्वे
140 - वीरेंद्र सहवाग बनाम वेस्टइंडीज

मैच की बात करें तो अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका टीम ने धमाकेदार शुरुआत की और पहले विकेट के लिए 182 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी में पथुम और अविष्का फर्नांडो शामिल थे। अविष्का 88 रन बनाकर 26.2 ओवर में फरीद अहमद की गेंद पर इब्राहिम जारदार के हाथों कैच आउट हो गए जबकि पथुम टिके रहे। इसके बाद पथुम ने कुसल मेंडिस (16) के साथ 43 रन और सदीरा समरविक्रमाक (45) के साथ 120 रन की साझेदारी की और नाबाद वापस लौटे। मेंडिस 35.2 ओवर में नबी की गेंद पर कैच आउट हुए जबकि सदीरा को 47.1 ओवर में फरीद ने अपना शिकार बनाया।

तीसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका, सीरीज से बाहर हो सकते हैं श्रेयस अय्यर

भारतीय टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी तीन टेस्ट मैचों से बाहर हो सकते हैं। दरअसल, इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार अय्यर ने फॉरवर्ड डिफेंस खेलते समय पीठ में अकड़न और ग्रोइन पेन की शिकायत बनातई है। जिससे उनका आगामी टेस्ट मैचों में खेलने पर सस्पेंस है। दूसरे टेस्ट मैच के लिए पूरी टीम की प्लेइंग किट विशाखापट्टनम से सीधे राजकोट पहुंचा दी गई थी, जहां 15 फरवरी से भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच खेला जाना है। वहीं, अय्यर की किट को मुंबई में उनके घर भेज दिया गया था। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति शुक्रवार को पांच मैचों की सीरीज के शेष मैचों के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर सकती है, जो 1-1 से बराबरी पर है। सूत्रों ने कहा कि अय्यर को आगे के परीक्षणों के लिए बैंगलोर में राष्ट्रीय क्रिकेट एकेडमी भेजा जाएगा। लेकिन बल्लेबाज को अगले महीने इंडियन प्रीमियर लीग शुरू होने तक प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की उम्मीद है। पिछले साल पीठ की चोट के बाद अय्यर की सर्जरी हुई थी।

बुमराह के प्रदर्शन से टेस्ट क्रिकेट का रोमांच बढ़ा : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने तेज गेंदबाज जसपीत बुमराह की जमकर प्रशंसा की है। चोपड़ा के अनुसार बुमराह अपने प्रदर्शन से हमें टेस्ट क्रिकेट से प्यार करना सीखा रहे हैं। चोपड़ा ने कहा कि इंग्लैंड टीम के खिलाफ दूसरे टेस्ट में बुमराह ने जिस प्रकार घातक गेंदबाजी कर भारतीय टीम को जीत दिलायी उससे टेस्ट क्रिकेट का रोमांच बढ़ा है। इस मैच में बुमराह ने ओली पोप और बेन स्टोक्स के विकेट लेकर मैच का रुख अपनी ओर मोड़ा। चोपड़ा ने कहा है कि बुमराह को तेज गेंदबाजी से प्यार है। उन्होंने पहली पारी में 6 विकेट लेकर अकेले ही इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त कर दिया था। उन्होंने दूसरी पारी में भी 3 विकेट लिए जिससे भारतीय टीम को मुकाबले में 106 रन से जीत मिली थी। इस प्रदर्शन के बाद वह आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष गेंदबाज भी बने हैं। सभी प्रारूपों में शीर्ष रैंकिंग हासिल करने वाले बुमराह एकमात्र भारतीय तेज गेंदबाज हैं। चोपड़ा ने इसी कारण कहा कि बुमराह जैसा कोई नहीं है। वह स्पिनरों की सहायक टर्निंग पिच पर विकेट ले रहे हैं। बुमराह ने पीठ की गंभीर चोट से शानदार वापसी की है। बुमराह समय-समय पर गेंद को अंदर ला सकते हैं और बाहर निकाल सकते हैं। वह हमें टेस्ट क्रिकेट से प्यार करवा रहा है। टेस्ट क्रिकेट में नंबर वन गेंदबाज बनने के लिए उन्हें बधाई। आकाश चाहते हैं कि बुमराह राजकोट में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में भी खेलें। उन्होंने कहा कि ऐसी खबरें हैं कि उन्हें तीसरे टेस्ट के लिए आराम दिया जा रहा है पर मैं ऐसा नहीं चाहता। मुझे उम्मीद है कि वह खेलेंगे।

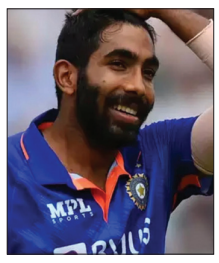

सैफ महिला अंडर-19 फुटबॉल में भारत-बांग्लादेश बनी संयुक्त विजेता

ढाका (एजेंसी)। भारत और मेजबान बांग्लादेश की टीम सैफ महिला अंडर-19 फुटबॉल चैम्पियनशिप में संयुक्त विजेता बनी हैं। इससे पहले भारतीय टीम को विजेता घोषित कर दिया गया था पर बाद में अधिकारियों ने दोनो ही टीमो को संयुक्त विजेता घोषित किया। इस मैच में निर्धारित 90 मिनट तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर था। इसके बाद रैफरी ने पेनल्टी शूटआउट कराया।

इसमें सभी 11 खिलाड़ियों ने अपने पेनल्टी किक पर गोल दाग दिया। इस प्रकार स्कोर 11-11 पर पहुंचने के बाद रैफरी ने पेनल्टी शूटआउट बंद कर सिक्का उछालकर विजेता का फैसला करना चाहा। इसमें भारतीय टीम जीत गयी और जश्न मानने लगी पर मेजबान टीम के खिलाड़ियों ने इस प्रकार से मैच का फैसला किये जाने का विरोध किया। इसके बाद दर्शकों ने भी इस फैसले के खिलाफ उग्र प्रदर्शन शुरु कर दिया। ऐसे में उन्हें नारे लगाते भी देखा गया। एक घंटे से अधिक समय के बाद सिक्का उछालने का फैसला करने मैच आयुक्त ने अपना फैसला बदलते हुए दोनो ही टीमों का संयुक्त विजेता घोषित कर दिया।

मेस्सी की हांगकांग मैच में अनुपस्थिति पर चीन में नाराजगी बढ़ी, 'रिफंड' की पेशकश की

हांगकांग । हांगकांग में एक फुटबॉल मैच के दौरान लियोनल मेस्सी के मैदान पर नहीं उतरने के बाद सरकार और खेल प्रेमियों के गुस्से का सामना करने वाले आयोजक ने शुक्रवार को कहा कि वे विश्व कप विजेता फुटबॉलर की अनुपस्थिति के लिए टिकट की 50 प्रतिशत राशि लौटने की पेशकश करेंगे। इस हफ्ते के शुरू में स्थानीय टीम के खिलाफ हुए इस मैच में मेस्सी को भी मैदान पर खेलने उतरना था लेकिन वह 'ग्रोइन' चोट के कारण पूरे 90 मिनट तक बेंच पर बैठे रहे। लेकिन अर्जेंटीना का यह स्टार खिलाड़ी बुधवार को इंटर मियामी के ताजा प्रदर्शनी मैच में तोक्यो में 30 मिनट तक मैदान पर उतरा था। जिससे पिछले दो दिन से चीन में सोशल मीडिया पर लोग मेस्सी के हांगकांग में मैच नहीं खेलने पर निराशा व्यक्त कर रहे हैं। शुक्रवार को स्थानीय आयोजक टैटलर एशिया ने 'इंस्टाग्राम' पोस्ट पर उन लोगों से माफी मांगी जो मैच से काफी निराश थे। उसने कहा कि मेस्सी के नहीं खेलने के बारे में जब पता चला तो उसने इंटर मियामी के प्रबंधन से अनुरोध किया था कि वह इस फुटबॉलर से दर्शकों को समझाने का आग्रह करे। अनुबंध के अनुसार मेस्सी को 45 मिनट तक खेलना था लेकिन अगर चोटिल हो तो ऐसा नहीं कर पायेगा। आयोजक ने कहा, 'लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बल्कि मेस्सी सात फरवरी को जापान में खेले थे जो उनके चेहरे पर एक और थप्पड़ की तरह था।' आयोजक ने कहा कि वह सरकार से चर्चा कर रहा है कि इस मामले को कैसे निपटाया जाये और 50 प्रतिशत टिकट की राशि वापस देने के इंतजाम की घोषणा मार्च के मध्य में की जाएगी। आयोजक ने कहा, 'आयोजक के तौर पर हम अपनी जिम्मेदारी से नहीं बचेंगे इसलिये ही टैटलर एशिया उन सभी को 50 प्रतिशत 'रिफंड' की पेशकश करेगा जिन्होंने मैच के दिन के टिकट आधिकारिक चैनल से लिए थे।' मैच के प्रत्येक टिकट की कीमत 4,880 हांगकांग डॉलर (624 डॉलर) तक थी।

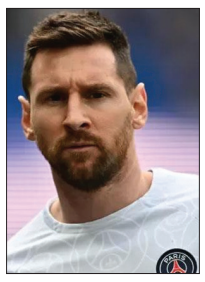

फिंच की पसंदीदा आईसी विश्व कप टीम में स्मिथ शामिल नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच ने जून में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की अपनी पसंदीदा टीम बनायी है। फिंच ने इसमें अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को भी अपनी अंतिम ग्यारह में जगह नहीं दी है। साथ ही कहा कि बल्लेबाजी में काफी गहरायी है। उन्होंने यह भी कहा कि विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश इंगलिस इस टूर्नामेंट में फिनिशर की भूमिका अच्छी प्रकार से निभा सकते हैं। फिंच ने कहा, इस समय मेरी 11 में वह स्मिथ शामिल नहीं है और इसका कारण यह है कि मुझे लगता है कि सूची में पर्याप्त बल्लेबाजी क्षमता है। इंग्लिस कई प्रकार की भूमिका एकसाथ निभा सकता है।

उन्होंने कहा कि स्मिथ इस युग के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक होने के बाद भी टी20 में बेहतर नहीं कहे जा सकते हैं। उन्होंने 25.69 के औसत और 125 से अधिक की स्ट्राइक रेट से पांच अर्धशतकों के साथ 1,079 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 90 है। 15 टी20 में इंग्लिस ने 158 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट और एक शतक के साथ 29.76 की औसत से 387 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 110 है।

फिंच ने मध्यम गति के ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस और स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर मैथ्यू शॉर्ट को भी शामिल किया। उन्होंने कहा, मेरे पास मार्कस स्टोइनिस और मैट शॉर्ट हैं। कैरेबियन में विकेट बहुत अधिक स्पिन कर सकते हैं। अगर आपको लगता है कि आपको गेंद के साथ अतिरिक्त कवर की जरूरत है तो मैं वहां मैट शॉर्ट या मार्कस स्टोइनिस का विकल्प रखना चाहूंगा।

फिंच की टी20 विश्व कप के लिए अंतिम 11 :

डेविड वार्नर, ट्रैविस हेड, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, जोश इंग्लिस, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू शॉर्ट, टिम डेविड, पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, एडम ज़म्पा और जोश हेज़लवुड।

यशस्वी जैसे खिलाड़ी की ही हमें जरुरत : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि हमें उनके जैसा ही बल्लेबाज चाहिये था। यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में दोहरा शतक लगाया था। गावस्कर ने कहा, यशस्वी ने दिखाया है कि वे तेजी से सीखते हैं। उन्होंने जिस प्रकार की बल्लेबाजी दूसरे टेस्ट में की उसी की जरुरत थी। उस मैच में टीम को किसी ऐसे खिलाड़ी की ही जरूरत थी जो पारी को संभाल सके और उन्होंने ऐसा ही किया। वहीं कई बल्लेबाज ऐसा करने में विफल रहे। वे सभी उतरे और विकेट खोते चले गये। .गावस्कर ने साथ ही कहा, आपको ऐसे ही शॉट्स खेलने की जरूरत होती है जो थोड़ा हैरान कर देने वाले हों। कुछ समय पर बल्लेबाजों का रुख थोड़ा बदल सा जाता है। टेस्ट क्रिकेट पांच दिन का खेल है पर कभी-कभी मैच कुछ ही दिन में समाप्त हो जाते हैं। पहले टेस्ट में ओली पॉप और दूसरे में यशस्वी जायसवाल ने मैच विजेता पारियां खेली थीं। दूसरे मैच में भारतीय टीम के मध्य क्रम के विफल होने के बाद भी यशस्वी एक छोर पर जमे रहे जिससे भारतीय टीम एक बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। यशस्वी के दोहरे शतक से ही टीम पहली पारी में 396 रनों तक पहुंची।

उदय सहारन को टीम के अंडर 19 विश्वकप खिताब जीतने का भरोसा

बेनोनी (एजेंसी)। भारतीय अंडर 19 क्रिकेट टीम के कप्तान उदय सहारन को विश्वकप जीतने की उम्मीद है। भारतीय टीम के फाइनल में पहुंचने का श्रेय उदय ने सभी खिलाड़ियों के एक इकाई के तौर पर खेलने को दिया है। उदय ने कहा कि अब टीम रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खिताबी मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने उतरेगी। भारतीय टीम ने इस बार अपने अब तक के सभी मैच जीते है जिसके कारण भी उदय के हौंसले बुलंद हैं। इसके साथ ही टीम के खिलाड़ियों ने जरुरत के समय बेहतर प्रदर्शन कर उसे जीत दिलायी है। हर बार किसी न किसी खिलाड़ी ने जिम्मेदारी लेकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया है।

सहारन ने टीम के अभ्यास सत्र के बाद कहा, 'हमारी टीम के अच्छे प्रदर्शन का राज आपसी तालमेल रहा है। हमारा आपस में जुड़ाव इतना अच्छा है कि ड्रेसिंग रूम का माहौल दोस्ताना बना हुआ है। सभी एक दूसरे पर भरोसा करते हैं और एक दूसरे की सहायता को तैयार रहते हैं। इसी का प्रभाव टीम के प्रदर्शन पर भी दिखा है। भारतीय टीम पिछले नौ में से सात बार टीम फाइनल में पहुंची है जबकि पांच बार उसने खिताब जीत है। टीम का लक्ष्य इस बार छठी बार जीत दर्ज करना रहेगा।

उदय ने कहा, 'बहुत गर्व की बात है कि हम लगातार पांचवीं बार फाइनल में पहुंचे हैं। भारतीय टी ने अब तक इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। हमारे सभी खिलाड़ी लय में हैं और अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक 389 रन बनाने वाले सहारन ने कहा, 'फाइनल में कोई भी टीम को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम विरोधी टीम की जगह अपने खेल पर ध्यान दे रहे हैं। हमने मैच दर के अनसार रणनीति बनाई है और हर मैच को गंभीरता से ले रहे हैं। साथ ही कहा कि हम अपने खेल पर ध्यान दे रहे हैं क्योंकि हमें अपना सर्वश्रेष्ठ देना है। मैच हालात के हिसाब से खेल रहे हैं। हर मैच अहम है क्योंकि यह विश्व कप है और सारी टीमें अच्छी है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल में 245 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक समय भारतीय टीम ने चार विकेट 32 रन पर खो दिये थे। इसके बाद टीम को मुश्किल हालातों से निकालते हुए सहारन ने सचिन धास 96 के साथ पांचवें विकेट के लिए रिकॉर्ड 171 रन की साझेदारी करके टीम को जीत दिलाई। उस पारी के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, 'मेरे पापा ने सिखाया है कि जितना हो सके लंबे समय तक टिके रहना है। मैच को फिनिश करना है और मैं कोशिश करता हूं कि अंत तक जिम्मेदारी निभाऊं। टीम को जीत तक लेकर जाऊं।

उन्होंने कहा, 'हम पहले भी बहुत सारे शिविर में भाग ले चुके हैं और बहुत दबाव वाले मैच खेल सकते हैं। हम बहुत कड़ा अभ्यास करते हैं और दबाव के हालात में भी अभ्यास करते हैं। जैसी जरूरत है, वैसा ही अभ्यास करते हैं और ध्यान इसी पर रहता है कि मैदान पर उस पर अमल करें।

टमाटर की रोगरोधी जातियां

टमाटर एक प्रमुख सब्जी फसल है और इसे सब्जियों का बादशाह भी कहा जाता है इसके उपयोग के बिना अन्य सब्जियों का स्वाद अधूरा ही रहता है। टमाटर के फलों में अनेक पोषक तत्व विटामिन सी थायमिन एवं राइबोफ्लोविन प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं यह फसल भिन्न-भिन्न ऋतुओं में कवकजनित, जीवाणुजनित, विषाणुजनित एवं सूत्रकृमिजनित रोगों से प्रभावित होती हैं। इन रोगों के कारण उत्पादन में प्रतिकूल प्रभाव होता है। इन रोगों से बचाव के लिए रोगरोधी प्रजातियों को उगाना सर्वोत्तम उपाय हैं।

सेलेक्शन- 120: इस किस्म में मोजेक कम लगता है। तथा वर्षाऋतु के लिये भी उपयुक्त होती है। मध्यम समय में (120-150) तैयार हो जाती है। फल बड़े आकार के होते हैं। उपज प्रति हेक्टेयर 250-275 क्विंटल होती है यह किस्म निमेटोड प्रतिरोधी है।

अविनाश 2: यह किस्म पर्णकुंचन रोग के प्रति सहनशील उच्च उपज, पौधे परिमित, सघन वृद्धि, फल अर्द्ध आयताकार, मध्यम आकार के हैं।

एच.एस.-101: यह किस्म टमाटर के पर्णकुंचन रोग के प्रति सहनशील है।पौधे परिमित तथा बौने होते हैं। फलों का रंग लाल, मध्यम आकार के, गोल तथा गुच्छों में होते हैं।

हिसार अनमोल: मूल ग्रन्थी सूत्रकृमि रोधी है। पौधे अर्ध अपरिमित, जल्दी पकने वाली, फल गोल तथा मध्यम से बड़े आकार के होते हैं।

पूसा हाइब्रिड-4: यह किस्म भी मूल ग्रन्थी सूत्रकृमि रोधी है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली द्वारा विकसित, परिमित, विपुल उत्पादक गहरी हरी पत्तियों वाली संकर है। फल आकर्षक, गोलाकार, चिकने, औसत भार 70-80 तथा एक समान पकने वाले होते हैं।

अर्का श्रेष्ठ: जीवाणु मुरझान रोधी, पौधे अर्ध परिमित तता हल्की हरी पत्तियों वाले होते हैं। फल गोलाकार, सख्त, गहरे हरे, औसत आकार 75 ग्राम, सामान्य तापक्रम पर 7 दिनों तक संग्रहित किये जा सकते

हैं। रोपण के 55-60 दिनों बाद फलना आरंभ करके 140 दिनों तक फलती रहती है। औसत उपज 700 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

अर्का वर्धन: यह किस्म सूत्र कृमि रोधी है। पौधे अपरिमित होते हैं। फल चपटे गोलाकार, सख्त, गहरे लाल, हरे कंधों वाले, औसत भार 140-150 ग्राम के होते हैं।

माधुरी (बी.एस.एस.-39): बेजो शीतल बीज कंपनी, जालना द्वारा विकसित की गई है। पौधे परिमित, फल गहरे लाल, चपटे गोलाकार, मोटे छिलके वाले, औसत 100 ग्राम के फटने के प्रतिरोधी एवं उपज 500-700 क्विंटल प्रति हेक्टेयर पाई जाती है।

मीनाक्षी (बीएसएस-20)- फ्यूजेरियम विल्ट रोधी है। बेजो शीतल बीजकंपनी, जालना द्वारा विकसित अपरिमित संकर है। फल गहरे लाल गोलाकार और भार 80 ग्राम होता है। औसत उपज 600-1000 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

कीटों से बचाएं तोरिया

पौध संरक्षण अर्थात् फसल सुरक्षा

तोरिया में लगभग एक दर्जन कीट एवं रोग हानि पहुंचाते हैं उनमें प्रमुख हैं। माहो, आरा मक्खी, पेंटेडबग और दीमक तथा रोगों में व्हाइट रस्ट अर्थात सफेद रतुआ, आल्टरनेरिया ब्लाइट अर्थात झुलसा रोग, डाउनी मिल्ड्यू और पाउडरी मिल्डयू प्रमुख है।

माहो– तोरिया में सबसे अधिक हानि इस कीट द्वारा होती है। इसकी संख्या में वृद्धि नम एवं बदली वाले मौसम में होती है। यह कीट बहुत छोटा लगभग तारामीरा के दाने जैसा हरे रंग का होता है। कीट कोशिकाओं का रस चूसते हैं। जिससे पौधों का विकास रुक जाता है एवं फलियां सिकुड़ने लगती हैं।

इसके बचाव के लिए फसल की बोनी अक्टूबर

के प्रथम सप्ताह में करें। इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल की 1 मिली मात्रा प्रति 3 लीटर पानी में या डायमिथियेट 30 ईसी की 2 मिली मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

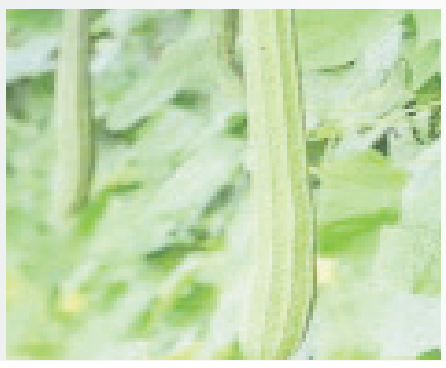

आरा मक्खी– तोरिया का यह कीट प्रारंभिक अवस्था अक्टूबर, नवम्बर में फसलों की पत्तियों को किनारे से खाकर नुकसान पहुंचाता है। इसकी एक खास पहचान यह है कि इसे स्पर्श करने पर शीघ्र ही यह अपने शरीर की कुंडली अर्थात रिंग बना लेता है। इसकी रोकथाम के लिए कार्बोसल्फान 25 ईसी 400 मिली दवा या ऐसीफेट 75 डब्ल्यू पी की 150 ग्राम मात्रा प्रति एकड़ पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

आल्टरनेरिया ब्लाइट– इसे झुलसा रोग के नाम से भी जानते हैं। इससे तोरिया की उपज में कमी के साथ–साथ तेल की मात्रा भी कम हो जाती है। इस रोग से बचाव के लिए मेटालेक्जिल+मेन्कोजेब (64+8) या मेंकोजेब 75 डब्ल्यू.पी. की 2.5 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी के घोल का छिड़काव करें। यह छिड़काव फसल बोने के 40 से 45 दिन से शुरू कर 15 दिन के अंतराल से दो – तीन बार करें।

व्हाइट रस्ट– इस बीमारी को सफेद रतुआ अथवा श्वेत किट्टू भी कहा जाता है। आमतौर पर इस रोग के लक्षण तोरिया की पत्तियों की निचली सतह से शुरू होते हैं। बाद में तने एव फलियों पर भी सफेद रंग के फफोले दिखाई देते हैं या धब्बे गर्म एवं अधिक आर्द्रता वाले अनुकूल मौसम को पाकर बड़े हो जाते हैं और पत्तियों का काफी भाग नष्ट कर देते हैं। इसके नियंत्रण के लिए रिडोमिल की डेढ़ ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में घोलकर अथवा डाईथेन एम–45 का 0.25 प्रतिशत घोल बनाकर छिड़काव करें।

पाउडरी मिल्ड्यू– इस रोग में तने पत्तियों एवं हरी फलियों पर सफेद चूर्ण जैसी फंफूद दिखाई देती है। इसके नियंत्रण के लिए फसल पर हेक्जाकोनाजोल या डायनोकेप या केराथेन की 1 मिली या घुलनशील गंधक 2.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें या गंधक चूर्ण 25 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

खुद परखें उर्वरक

मिलावट की जांच का तरीका–

सीएफसीएल टेस्टिंग किट जो सेन्ट्रल फर्टिलाइजर क्वालिटी कन्ट्रोल एण्ड टेस्टिंग इंस्टीट्यूट भारत सरकार फरीदाबाद (हरियाणा) से विकसित है के द्वारा प्रमुख उर्वरकों में मिलावट की जांच कर सकते हैं जैसे–

यूरिया– शुद्ध यूरिया चकमदार, लगभग समान आकार के दाने वाला, पानी में पूर्णतया

घुल जाता, घोल को छूने पर शीतल की अनुभूति, गर्म तबे पर रखने से पिघल जाना, आंच तेज करने पर कोई अवशेष न बचना आदि सामान्य बाते हैं।

हथेली पर थोड़ा पानी लें, 2 मिनिट बाद जब हथेली और पानी का ताप अनुरूप (एक सा) हो जाए तब 10–15 दाने यूरिया के डालें, शुद्ध यूरिया ठंडक देगा, यदि ठंडक महसूस न हो तो यूरिया में मिलावट समझें।

1 ग्राम यूरिया परखनली में ले तथा पिघलने तक गर्म करें, ठंडा होने पर 1 मिली पदार्थ पानी में घोलें तथा बूंद–बूंद कर 1 मिली बाई यूरेट घोल मिलाएं, गुलाबी रंग आता है तो यूरिया शुद्ध है और यदि गुलाबी रंग नहीं आता है तो मिलावट है।

1 ग्राम यूरिया परखनली में लें तथा 5 मिली आसुत जल मिलाएं और पदार्थ को घोलें एवं 5–6 बूंद सिलवर नाईट्रेट घोल मिलाएं दही जैसा सफेद अवक्षेप का बनना यह प्रदर्शित करता है कि पदार्थ मिलावटी है किसी भी अवक्षेप का न बनना शुद्ध यूरिया को बताएगा।

डीएपी (डाई अमोनियम फास्फेट)

- सामान्यतः शुद्ध डीएपी के दानों का आकार एकदम गोल नहीं होता , डीएपी के दानों को गर्म करने या जलाने पर दाने फूलकर साबूदाने की भांति खिलकर फूलकर लगभग दोगने आकार के हो जाएं तो वह शुद्ध होगा, डीएपी के दानों को लेकर फर्श पर रखें फिर जूते से ताकत से रगड़े शुद्ध डीएपी के दाने आसानी से नहीं फूटेंगे, यदि आसानी से टूट जाए तो डीएपी में मिलावट है।
- डीएपी में नाइट्रोजन जांच के लिए 1 ग्राम पिसी डीएपी में चूना मिलायें, सूघें, सूंघने पर यदि अमोनिया की गंध आती है डीएपी में नाइट्रोजन उपस्थित है यदि नहीं तो डीएपी में मिलावट है।
- 1 ग्राम पिसा नमूना परखनली में लें, 5 मिली आसुत जल मिलायें और हिलायें, फिर 1 मिली नाईट्रिक अम्ल मिलायें फिर हिलायें, यदि यह घुल जाए एवं घोल अर्धपारदर्शी हो जाए तो डीएपी शुद्ध है, यदि कोई पदार्थ अघुलनशील बचता है तो मिलावट है।
- एक चम्मच डीएपी परखनली में लें, घोल बनाये तथा 1/2 मिली सोडियम हाइड्रासाईड मिलायें, हिलायें, सूंघे यदि अमोनिया की तीक्ष्ण गंध है तो डीएपी शुद्ध है गंध नहीं तो मिलावट समझें।

म्यूरेट ऑफ पोटाश–

- 1 ग्राम उर्वरक परखनली में लें, 5 मिली आसुत जल मिलायें व अच्छी तरह हिलायें, अधिकांश उर्वरक घुल जाए तथा कुछ अघुलनशील कण पानी की सत पर तैरें तो शुद्ध होगी यदि अधिकांश अघुलनशील पदार्थ परखनली के तले पर बैठ जाए तो समझे उर्वरक में मिलावट है।
- 1 ग्राम उर्वरक लें और 10 मिली आसुत जल मिलायें इसे अच्छी तरह घोलें एवं छाने फिकट्रेट में 5–6 बूदें कोवेल्टी नाइट्रेट रिजेब्ट को मिलायें, पीला अवक्षेप का बनना उर्वरक में के की उपस्थिति बताएगा तथा अवक्षेप का ना बनना पदार्थ में मिलावट बताएगा।
- शुद्ध एमओपी पानी में पूर्णतया घुलनशील, रंगी एमओपी का लाल भाग पानी का तैरता है यदि ऐसा है तो एमओपी शुद्ध है अन्यथा नहीं शुद्ध एमओपी के कण नम करने पर आपस में चिपकते नहीं है।

सिंगल सुपर फास्फेट–

- दानेदार पाऊडर काला भूरा आदि रंगों में , एक दाना हथेली पर रगड़ने से आसानी से टूट जाये तो शुद्ध है।
- 1 ग्राम उर्वरक परखनली में लें, 5 मिली आसुत जल मिलायें अच्छी तरह हिलायें और छाने तथा 5–6 बूंद घोल मिलायें यदि पीला अवक्षेप है एवं घुल जाए तो फास्फेट की उपस्थिति है यदि नहीं तो पदार्थ संदिग्ध है।
- 1/2 चम्मच उर्वरक को 5 मिली आसुत जल में घोलें ऊपर के निथरे भाग को दूसरी परखनली में लेकर 15–20 बूंद के घोल को मिलायें, यदि हलका दूधिया अवेक्षेप प्राप्त होता है इसमें 2–3 बूंद तनु काष्टिक सोडा मिलाने पर पीला अवक्षेप आता है तो उर्वरक शुद्ध है यदि ऐसा नहीं होता तो अशुद्ध समझें।

जिंक सल्फेट–

- 1 ग्राम उर्वरक परखनली में ले, 5 मिली आसुत जल मिलायें अच्छी तरह हिलायें फिल्टर पेपर से छाने 8–10 बूंद तनु घोल मिलायें, सफेद जैली जैसा पदार्थ बनता है तब 10–12 बूंद सान्द्र हड्डश॥ घोल मिलायें अगर अवक्षेप घुल जाये तो पदार्थ शुद्ध है अन्यथा नहीं।
- पानी में घुलनशील लेकिन असका घोल यूरिया तथा एमओपी की तरह ठंडा नहीं होता तो पदार्थ शुद्ध है।
- डीएपी के घोल के जिंक सल्फेट के घोल को मिलाने पर थक्केदार घना अवक्षेप बन जाता है जो मैग्नीशियम सल्फेट के साथ ऐसा नहीं होता।

कैन/ किसान खाद–

- 1 ग्राम पदार्थ परखनली में ले एचसीएल मिलायें, शुद्ध केन उर्वरक में बहुत सारे बुलबुले उठेंगे, इसके बाद 10 मिली आसुत जल मिलायें, कुछ समय बाद पदार्थ घुल जाएगा तो शुद्ध केन है, अन्यथा नहीं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

माले। मालदीव के सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को राहत प्रदान कर संसद के स्थायी आदेशों में हालिया संशोधन को टालने का आदेश दिया। दरअसल इस संशोधन से विपक्षी सांसदों के लिए राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पर महाभियोग चलाना आसान था। संविधान के मुताबिक राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव के लिए संसद के दो-तिहाई सदस्यों के मत की आवश्यकता होती है। हालांकि, संसद ने हाल ही में अपने स्थायी आदेशों में संशोधन किया था ताकि इसके लिए आवश्यक वोटों की संख्या कम करके महाभियोग प्रस्ताव पेश करना आसान हो सके।

मालदीव के अटॉर्नी जनरल कार्यालय ने 28 जनवरी को संशोधन पर उच्चतम न्यायालय में मामला दायर किया था। इसमें अदालत द्वारा अंतिम फैसला सुनाए जाने तक संशोधन को टालने की मांग की गई थी।

चीन में कंपनी का अजीब ऑफर, घर खरीदो और बीवी मुफ्त पाओ

बीजिंग। घर खरीदने को लेकर रियल एस्टेट कंपनी कई तरह के ऑफर लेकर आती हैं। इसमें भारी डिस्काउंट और मुफ्त रजिस्ट्री सहित कई लाभ मिलते हैं। लेकिन, इन दिनों एक ऑफर पूरी दुनिया में सुर्खियों का विषय बन गया। कंपनी का ऑफर था, 'घर खरीदो और बीवी मुफ्त पाओ। इस विज्ञापन के वायरल होने के बाद कंपनी को कड़ी फटकार लगा दी। दरअसल ऑफर चीन में एक रियल एस्टेट कंपनी ने निकाला था। चीन का रियल एस्टेट इन दिनों बहुत बुरे दौर से गुजरा रहा है, इसलिए मकानों की बिक्री बढ़ाने के लिए चीन की रियल एस्टेट कंपनी ने ऑफर निकाल दिया। चीन की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी दिवालिया हो चुकी है। इसका असर चीन के प्रॉपर्टी मार्केट और अन्य कंपनियों पर भी पड़ा। इस संकट के बीच एक अन्य रियल एस्टेट कंपनी ने भी खुद को दिवालिया घोषित किया है। इस संकट के कारण चीन के 4 बड़े शहरों में घरों की कीमत में 11 से 14 फीसदी की गिरावट आई है, साथ ही नए घरों की बिक्री में 6 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। चीन के रियल एस्टेट बाजार में मच कोहराम के बीच एक टियांजिन स्थित एक कंपनी ने घरों की सेल बढ़ाने के लिए ग्राहकों को बेहूदा ऑफर दिया। इसके बाद बाजार नियामक ने कंपनी पर 4184 डॉलर, भारतीय रुपयों में करीब साढ़े 3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। वहीं, चीन के झिनजियांग प्रांत में एक कंपनी ने लोगों को खरीदने पर सोने की ईंट देने का वादा तक कर दिया।

लेबनान से इज़रायल पर रॉकेट दागे गए

येरूशलम । लेबनान से उत्तरी इजरायल पर करीब 30 रॉकेट दागे गए। इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने इसकी जानकारी दी। आईडीएफ ने कहा कि उत्तरी इज़रायल के ऊपरी गलील में सायरन बजाने वाले रॉकेट खुले मैदान में गिरे। हताहतों की तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली। रिपोर्ट के अनुसार, आईडीएफ ने रॉकेट के स्रोत पर गोलीबारी करके और दक्षिणी लेबनान के मीस अल जबल में एक घर पर हवाई हमले करके जवाबी कार्रवाई की।

पर्वतारोहियों को अपना मल बेस कैंप में लाना होगा : नेपाल

काठमांडु । माउंट एवरेस्ट पर बढ़ती पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के लिए नेपाल ने एक नए नियम की घोषणा की है। नये नियम के तहत पर्वतारोहियों को अपने मल को उचित निपटान के लिए बेस कैंप में वापस लाना होगा। रिपोर्ट के अनुसार, पसांग ल्हामू ग्रामीण नगरपालिका, जिसके अधीन एवरेस्ट क्षेत्र के अधिकांश हिस्से आते हैं, ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर अपशिष्ट की समस्या से निपटने के लिए नया नियम बनाया है। रिपोर्ट में पसांग ल्हामू ग्रामीण नगरपालिका के अध्यक्ष मिंगमा शेरपा के हवाले से कहा गया है कि पहाड़ों से बदबू आने लगी है। मिंगमा ने कहा, ''हमें शिकायतें मिल रही हैं कि चट्टानों पर मानव मल नजर आ रहा है और कुछ पर्वतारोही बीमार पड़ रहे हैं। यह स्वीकार्य नहीं है, इससे हमारी छवि खराब होती है।

सिंगापुर पीएम ने दंपतियों से और बच्चे पैदा करने को कहा

सिंगापुर। सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग ने शुक्रवार को देश की गिरती जन्म दर का मुकाबला करने के लिए स्थानीय कपल्स को और अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया। चीनी नव वर्ष पर संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि कई चीनी परिवार ड्रैगन वर्ष में पैदा हुए बच्चे को विशेष रूप से शुभ मानते हैं, यह युवा जोड़ों के लिए अपने परिवार में 'लिटिल ड्रैगन' जोड़ने का एक अच्छा समय है। प्रधानमंत्री ने जनता से कहा, 'मुझे उम्मीद है कि मेरा प्रोत्साहन अधिक जोड़ों को बच्चे के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करेगा, हालांकि मुझे पता है कि यह निर्णय बहुत व्यक्तिगत है।' 'हम 'सिंगापुर मेड फॉर फैमिलीज' का निर्माण करेंगे और आपकी शादी और माता-पिता बनने की आकांक्षाओं का समर्थन करना जारी रखेंगे।' ली ने जोर देते हुए कहा कि स्वैच्छिक आधार पर सरकार द्वारा भुगतान किया जाने वाला पितृत्व अवकाश दो से चार सप्ताह तक दोगुना कर दिया गया है। ली ने कहा, 'जोड़े अपने मर्जी से बच्चे पैदा करने का फैसला करेंगे। मुझे विश्वास है कि वे माता-पिता बनने को एक बेहद फायदेमंद और संतुष्टिदायक यात्रा पाएंगे।'

कमांडर जनरल ऑलेक्जेंडर सिरस्की बने यूक्रेन के नए सेना प्रमुख

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने यूक्रेन के सेना प्रमुख से मुलाकात कर कहा कि किसी नए व्यक्ति का सेना का नेतृत्व करने का समय आ गया है। जेलेंस्की ने कहा कि वह सेना प्रमुख वलेरी जालुझनी को उनकी दो साल की सेवा के लिए धन्यवाद देते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि अब सेना के नेतृत्व में बदलाव का समय आ गया है। जेलेंस्की ने सेना का नेतृत्व करने के लिए यूक्रेन की जमीनी सेना के कमांडर जनरल ऑलेक्जेंडर सिरस्की (58) को नियुक्त किया है। रूस के साथ जारी युद्ध के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने हाल में संकेत दिया था कि वह देश के सैन्य नेतृत्व को बदलने पर विचार कर रहे हैं। सेना के शीर्ष स्तर पर बदलाव संबंधी उनके बयान ने देश की जनता और यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों को चौंका दिया था।

अमेरिकी सेना ने हूती विद्रोहियों पर किए हवाई हमले

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने यमन के हूती विद्रोहियों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अमेरिकी सेना के 'सेंट्रल कमांड ने बताया कि अमेरिकी सैन्य बलों ने विस्फोटकों से लदी उन चार ड्रोन नौकाओं और सात पोत रोधी क्रूज मिसाइल लॉन्चर को नष्ट कर दिया, जिनके द्वारा लाल सागर में पोतों को निशाना बनाए जाने की आशंका थी। सेंट्रल कमांड ने कहा, ''वे क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना के पोतों और वाणिज्यिक पोतों के लिए खतरा थे। ये कदम नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा करने और अमेरिकी नौसेना एवं वाणिज्यिक पोतों के लिए अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र को अधिक सुरक्षित बनाने में मदद करेगा। हूती विद्रोहियों ने इस हमले में नुकसान होने की पुष्टि नहीं की है।

फुकुशिमा-दाइची परमाणु ऊर्जा संयंत्र में रेडियोधर्मी पानी का रिसाव

टोक्यों। सुनामी प्रभावित फुकुशिमा-दाइची परमाणु ऊर्जा संयंत्र में एक शोधन मशीन से रेडियोधर्मी पानी का रिसाव हो गया। हालांकि, इसके चलते कोई घायल नहीं हुआ। संयंत्र के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विकिरण की निगरानी से पता चला कि रिसाव का बाहरी वातावरण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। संयंत्र का संचालन करने वाली 'तोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी होल्डिंग्स ने बताया कि दूषित पानी से मुख्य रूप से सीजियम और स्ट्रोंशियम को हटाने के लिए डिजाइन की गई शोधन मशीन 'सेरी' में वाल्व की जांच के दौरान सुबह एक कर्मचारी को इस रिसाव का पता चला।

लाटीविया में भारी बर्फबारी के कारण चारों ओर बर्फ ही नजर आयी। ऐसी ही एक बर्फ से ढ़की सड़क पर निकलते हुए लोग।

अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुरुप शांति के लिए काम करें : गुटेरेस

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने न्यायसंगत शांति के लिए एकजुट होने का आह्वान किया है। गुटेरेस न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में अपनी 2024 प्राथमिकताओं पर मीडिया से चर्चा करते हुए कहा, कि यह जरुरी है कि हम न्यायसंगत और शांति के लिए काम करें, लेकिन संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप शांति के लिए काम करें। महासचिव गुटेरेस ने कहा, कि कल, मैंने इस वर्ष और उसके आगे की प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए महासभा में अपना बयान दिया था। यह एक लंबा और विस्तृत एजेंडा है, लेकिन विभिन्न चुनौतियाँ एक कड़ी के रुप में एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं। ऐसे में इन तमाम कड़ियों के सभी आयामों में शांति की आवश्यकता है, क्योंकि शांति वह बंधन है जो सभी को बांधता है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने इस बात पर जोर देते हुए आह्वान किया, यह राष्ट्रों के बीच गंभीरता पूर्वक की जाने वाली बातचीत, पुरानी संस्थाओं में सुधार और बहुपक्षीय शासन के प्रभावी, नवीनीकृत और समावेशी तंत्र के साथ बहुध्रुवीयता को अपनाएं। अंत में गुटेरेस ने कहा, कि चुनौतियाँ कठिन हैं, रास्ता भी जटिल है, लेकिन शांति, एकता और कार्रवाई का आह्वान संयुक्त राष्ट्र में अंदर और उसके बाहर प्रमुखता से गूंजता है।

पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार बिगड़ा सेना का खेल... इमरान की पार्टी कर रही बेहतर प्रदर्शन

सेना प्रमुख के इशारे पर चुनाव परिणाम घोषित नहीं किए जा रहे

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पड़ोसी देश पाकिस्तान में इनदिनों बड़ी हलचल हो रही है। नेशनल असेंबली और प्रांतीय विधानसभा चुनावों के नतीजे जारी करने में चुनाव आयोग को देरी हो रही है। वहीं अनुमानों के एकदम विपरीत जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी बेहतर प्रदर्शन कर रही है। चुनाव के ताजा रुझानों के मुताबिक इमरान की पार्टी पीटीआई पंजाब और खैर पख्तुनख्वा प्रांत में बड़ी जीत की ओर बढ़ रही है, जबकि सिंध प्रांत में बिलावल भुट्टो की पार्टी पीपीपी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वहीं बलूचिस्तान में चुनाव के मिले-जुले नतीजे और रुझान आ रहे हैं।

15 घंटों से ज्यादा समय बीतने के बाद भी चुनाव आयोग अभी तक नेशनल असेंबली की सिर्फ 24 सीटों पर ही नतीजे घोषित कर चुका है। इसमें 10 सीटों पर इमरान खान की पीटीआई और उनके समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों की जीत हुई है, जबकि आठ सीटों पर नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन और पांच सीटों पर पीपीपी की जीत हुई है। एक सीट पर अन्य की जीत हुई है।

पाकिस्तान चुनाव आयोग पर जानबूझकर नतीजों में देरी करने का आरोप लग रहा हैं। इसके पीछे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल असीम मुनीर का खेल बताया जा रहा है। पाकिस्तान में सेना लंबे समय से चुनावों में खेल करती रही है। कहा जाता रहा है कि पाकिस्तान सेना जिसके साथ होती है, पाकिस्तान में उसी पार्टी की सरकार बनती है। 2018 तक इमरान पाक सेना के प्लेब्वॉय हुआ करते थे लेकिन जब सेना से उनके रिश्ते बिगड़े, तब उन्हें अप्रैल 2022 में प्रधानमंत्री पद गंवाना पड़ा था।

फिलहाल नवाज को पाक सेना की पसंद माना जा रहा है, लेकिन पाकिस्तानी अवाम ने उन्हें ज्यादा पसंद नहीं किया। सूत्र बता रहे हैं कि पाक सेना में भी इमरान खान को पसंद करने वालों की ज्यादा तादाद है। इसके अलावा युवाओं और महिलाओं पर इमरान खान का जादू चढ़कर बोला है। इमरान की पार्टी का ऐसा प्रदर्शन तब देखने को मिल रहा है, जब चुनाव आयोग ने उसके क्रिकेट बल्ला का चुनाव चिह्न उससे छीन लिया है। खुद इमरान खान और पार्टी के कई बड़े नेता जेल में बंद हैं। इसके अलावा चुनाव के दिन इंटरनेट बैन कर दिया गया था।

पाकिस्तान के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ हैं, जब पाकिस्तानी सेना का पूर्व नियोजित खेल बिगड़ा है। ऐसी सूरत में इसकी आशंका बढ़ गई है कि अगर इमरान खान की पार्टी बहुमत हासिल नहीं कर पाती है और सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरती है तब सेना इमरान की पार्टी को सत्ता तक पहुंचने से रोक सकती है। आशंका इसकी भी है कि अगर सेना ने ऐसा करने से रोका तब पाकिस्तान में गृहयुद्ध भड़क सकता है। दूसरी संभावना है कि सेना के इशारे पर नवाज शरीफ और बिलावल भुट्टो की पार्टी मिलकर सरकार बना सकती है।

पीटीआई ने सरकार बनाने के लिए पीपीपी, पीएमएल(एन) के साथ गठबंधन से किया इनकार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने शुक्रवार को दावा किया कि वह केंद्र में सरकार बनाएगी, और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के साथ गठबंधन करने से इनकार कर दिया। पीएमएल (एन) नेता इशाक डार के इस दावे पर कि चुनाव में जीत हासिल करने वाले स्वतंत्र उम्मीदवारों ने उनकी पार्टी से संपर्क किया है, पीटीआई प्रमुख गोहर खान ने कहा कि स्वतंत्र उम्मीदवार पीटीआई के हैं और दावा किया कि वे किसी अन्य पार्टी में शामिल नहीं होंगे। पीटीआई प्रमुख ने जियो न्यूज को बताया, 'हम पीपीपी या पीएमएल-एन के संपर्क में नहीं हैं और उनके साथ गठबंधन सरकार बनाने का इरादा भी नहीं रखते हैं।' उन्होंने कहा, पीटीआई 150 से अधिक नेशनल असेंबली सीटें जीत रही है और केंद्र में सरकार बनाएगी।

अमेरिका, नाटो और यूरोप को पता चल गया कि रूस की ताकत क्या हैं : पुतिन

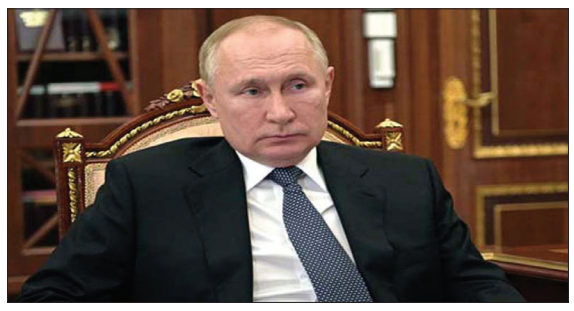

-ट्रंप के राष्ट्रपति बनाते ही जंग खत्म हो जाएगी

मॉस्को (एजेंसी)। रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि यूक्रेन में रूस को हराना नामुमकिन है। इस सच को नाटो को भी स्वीकार कर लेना चाहिए। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर किए गए हमले का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों की मदद लेने के बाद भी रूस को हराया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा अमेरिका, नाटो और यूरोप को भी पता चल गया है कि रूस की ताकत क्या है।

अपने दो घंटे के इंटरव्यू के दौरान कार्लसन ने पुतिन से कई सवाल पूछे। उन्होंने पूछा कि क्या रूस पोलैंड और लातविया पर भी हमला करने की योजना बना रहा है। इसपर पुतिन ने कहा, पौलैंड और लातविया में मेरी कोई रुचि नहीं है। ये दोनों देश ही नहीं, हमें किसी और देश में कोई रुचि नहीं है। युद्ध एक ही स्थिति में हो सकता है। अगर पोलैंड हमला कर दे तब रूस जबाव देगा। बता दें कि पोलैंड और लातविया भी नाटो के सदस्य देश हैं।

कार्लसन ने इवान गेरशकोविच के बारे में भी सवाल किया कि क्या उन्हें रिहा किया जा सकता है। इस पर पुतिन ने कहा, इस मामले को सुलझाने में कोई दिक्कत नहीं है। हम चाहते हैं कि इसका कोई समाधान निकले और स्पेशल चैनल के जरिए बात चल भी रही है। जल्द ही इसका समाधान निकलना चाहिए। बता दें कि रिपोर्टर को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि जासूसी की बात को खारिज किया था। पुतिन ने कहा, अमेरिका बार-बार कहता है कि युद्ध रुकना चाहिए। लेकिन वास्तव में अगर वह चाहता है कि युद्ध रुक जाए, तब उन्हें यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई बंद कर देनी चाहिए। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव के बारे में भी बात करते हुए पुतिन ने कहा, ऐसा लग रहा है कि वहां परिवर्तन होने वाला है।

मैं या कमला हैरिस, निक्की हेली का बड़ा दावा, 2024 में अमेरिका को मिलने वाली है पहली महिला राष्ट्रपति

वाशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ पार्टी के नामांकन की दौड़ में बची एकमात्र रिपब्लिकन उम्मीदवार पूर्व संयुक्त राष्ट्र राजदूत निक्की हेली ने कहा है कि अमेरिका में 2024 में एक महिला राष्ट्रपति होगी, और यह या तो वह होंगी या कमला हैरिस, दोनों भारतीय मूल की हैं। नेवादा और यूएस वर्जिन आइलैंड्स में जीत के बाद ट्रम्प प्राथमिक दौड़ में अपराजित बने हुए हैं। हेली ने कहा है कि वह नेवादा में शर्मिंदगी के बाद भी व्हाइट हाउस की दौड़ में बनी रहेंगी और सर्वेक्षण में दिखाया गया है कि वह अपने गृह राज्य दक्षिण कैरोलिना में बुरी तरह पिछड़ रही हैं, जहां 24 फरवरी को अगला रिपब्लिकन प्राइमरी है। 52 वर्षीय भारतीय-अमेरिकी रिपब्लिकन राजनेता ने फॉक्स न्यूज को बताया यह इस तथ्य के बारे में है कि हम संयुक्त राज्य अमेरिका की एक महिला राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं, और या तो वह मैं होंगी या कमला हैरिस होंगी। हेली ने कहा कि उन्होंने ट्रंप को दो बार वोट दिया और संयुक्त राष्ट्र के राजदूत के रूप में उनके प्रशासन में सेवा करने पर उन्हें गर्व है। लेकिन अराजकता उसका पीछा करती है। हम एक अव्यवस्था वाला देश और जलती हुई दुनिया नहीं बन सकते हैं और अगले चार वर्षों तक अराजकता से गुजर सकते हैं। हम इससे बच नहीं पाएंगे। उन्होंने कहा कि ट्रंप आम चुनाव नहीं जीत सकते। यह एक तथ्य है। हम 2018 में हार गए। हम 2020 में हार गए। हम 2022 में हार गए। उसके पास अभी भी एक साल के अदालती मामले हैं... वह जो कुछ भी छूता है वह अराजकता है, और हम हारते रहते हैं।

नवाज को झटका: निराश होकर देर रात ही छोड़ा दफ्तर, अब विदेश की तैयारी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। चुनावी नतीजों के ताजा रुझानों से पूर्व पीएम नवाज शरीफ को डबल झटका लगा है। उनकी पार्टी का प्रदर्शन आशा के अनुरूप होता नहीं दिख रहा है। दूसरा वह दोनों सीटों पर पीछे चल रहे हैं। इस बीच, नवाज शरीफ के भाई और पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ चुनाव जीत गए हैं। पाकिस्तान के चुनाव आयोग के हवाले से कहा गया है कि शहबाज शरीफ ने लाहौर की एनए-123 सीट पर 63,953 वोटों से जीत दर्ज की है। उधर, खबर है कि चुनावी निराशा से परेशान होकर नवाज शरीफ ने देर रात ही पार्टी का दफ्तर छोड़ दिया है। अब इस बात की आशंका जताई जा रही है कि वह फिर से विदेश भाग सकते हैं। इमरान खान के समर्थकों ने दावा किया है कि उनकी पार्टी 154 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। पीटीआई ने यह भी दावा किया है कि नवाज शरीफ नेशनल असेंबली की मनसेहरा और लाहौर दोनों सीटों से हार रहे हैं। पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर इस वक्त कई पोस्ट वायरल हो रहे हैं। इनमें दावा किया जा रहा है कि आज रात तक नवाज शरीफ लंदन भाग जाएंगे। हालांकि, डॉन ने इस दावे को गलत बताया है।

पीएमएल-एन प्रमुख नवाज शरीफ लाहौर के एनए-130 सीट पर पीटीआई समर्थित स्वतंत्र उम्मीदवार डॉ यास्मीन राशिद से पीछे चल रहे हैं। इसी तरह, पीपीपी प्रमुख बिलावल भुट्टो जरदारी लाहौर के एनए-127 सीट पर पीछे चल रहे हैं। हालांकि, शरीफ के छोटे भाई शहबाज लाहौर के एनए-123 क्षेत्र में अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे हैं। पीटीआई के उपाध्यक्ष शाह महमूद कुरैशी की बेटी मेहर बानो कुरैशी एनए-151 (मुल्तान) में अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे हैं। बता दें कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार देश भर के कई निर्वाचन क्षेत्रों में आगे चल रहे हैं। वे पंजाब प्रांत में भी पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन को कड़ी चुनौती दे रहे हैं, जो शरीफ का गढ़ माना जाता है। मतगणना के शुरुआती रुझानों से यह जानकारी सामने आई है।

71 वर्षीय इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के उम्मीदवार निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने उनकी पार्टी को उसके चुनाव चिह्न क्रिकेट का बल्ला से वंचित करने के चुनाव आयोग के फैसले को बरकरार रखा था। खान और जेल में बंद अन्य प्रमुख राजनीतिक हस्तियों ने अडियाला जेल से डाक मतपत्रों के माध्यम से मतदान किया। पाकिस्तान में नई सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी को 265 सीट में से 133 सीट जीतनी होंगी। नेशनल असेंबली की 336 सीटों में से 266 पर ही मतदान कराया जाता है। फिलहाल बाजौर में, हमले में एक उम्मीदवार की मौत हो जाने के बाद वहां मतदान स्थगित कर दिया गया है।

जिसके लिए मोदी ने मुड़वाया था प्लेन, उसने लाहौर सीट 55,000 से अधिक वोटों से जीता

नयी दिल्ली (एजेंसी)। 24 दिसंबर 2015 की रात, जब पाकिस्तान के 21 करोड़ लोग सोए तो उन्हें भनक तक नहीं थी कि अगले दिन पड़ोस से अचानक एक मेहमान आएगा, जिससे पूरी दुनिया की निगाहें उनके मुल्क पर टिक जाएंगी। 25 दिसंबर को शाम 4 बजकर 20 मिनट पर लाहौर के अल्लामा इकबाल एयरपोर्ट पर भारतीय वायुसेना का बोइंग 737 विमान लैंड करता है। इसमें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थे। ऐसा मौका 10 साल बाद आया था, जब पाकिस्तान की सरजमीं पर भारत का प्रधानमंत्री पहुंचा था। उन्हें रिसीव करने के लिए सारे प्रोटोकॉल तोड़ खुद तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ एयरपोर्ट पहुंचे। इस दिन उनका जन्मदिन भी था। इसके नौ साल बाद पाकिस्तान में हिंसा और इंटरनेट बंद होने के कारण हुए मतदान के एक दिन बाद वोटों की गिनती जारी है। पाकिस्तान ने गुरुवार को अपनी नई सरकार चुनने के लिए मतदान किया। तीन सीटें दिवंगत प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के बेटे बिलावल भुट्टो जरदारी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने ले लीं। 12 करोड़ से अधिक मतदाताओं को वोट डालने में सक्षम बनाने के लिए देशव्यापी सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया था। मतदान के बाद वोटों की गिनती शुरू हुई और अनिवार्य एक घंटे का प्रतिबंध समाप्त होने के बाद अलग-अलग मतदान केंद्रों से नतीजे आने शुरू हो गए।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधान मंत्री नवाज शरीफ ने लाहौर में यास्मीन राशिद के खिलाफ 55,000 से अधिक वोटों से जीत हासिल की। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने शुक्रवार को कहा कि अभूतपूर्व मतदान ने पूरी व्यवस्था को स्तब्ध कर दिया है और चुनाव परिणामों को बदलने÷के प्रयास किए जा रहे हैं। खान की पीटीआई ने आरोप लगाया कि पार्टी की ऐतिहासिक जीत के डर से अब चुनाव परिणाम रोके जा रहे हैं। पार्टी ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया, तहरीक-ए-इंसाफ के समर्थकों ने ऐतिहासिक मतदान से पूरे सिस्टम को हैरान और चिंतित कर दिया है, तहरीक-ए-इंसाफ की ऐतिहासिक जीत के डर से अब परिणाम रोक रहे हैं और फॉर्म 45 में बदलाव कर रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने शुक्रवार को राजनीतिक नेताओं और समाज के वर्गों से शांत माहौल बनाए रखने का आग्रह किया क्योंकि चुनाव के नतीजे सामने आ रहे हैं। एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान को दिए एक बयान में महासचिव ने कहा कि जैसा कि पाकिस्तान चुनाव के नतीजों का इंतजार कर रहा है, मैं सभी राजनीतिक नेताओं और समाज के वर्गों को शांत माहौल बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करता हूं।

शिवसेना नेता का फेसबुक लाइव मर्डर, आरोपी ने भी कर ली आत्महत्या

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में खूनी संघर्ष की घटनाएं बढ़ रही हैं। बीते रोज मुंबई में शिवसेना यूबीटी नेता अभिषेक घोसालकर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घोसालकर जिसके साथ बैठक फेसबुक लाइव कर रहे थे उसी ने उन्हे गोली मार दी और खुद भी आत्महत्या कर ली। इसके पहले महाराष्ट्र के उल्हासनगर में पिछले शुक्रवार देर रात बीजेपी विधायक गणेश गायकवाड़ ने कथित तौर पर शिवसेना नेता महेश गायकवाड़ को गोली मार दी थी। गोलीबारी हिल लाइन पुलिस स्टेशन में एक वरिष्ठ पुलिसकर्मी के केबिन के अंदर हुई थी, जहां दो राजनेता और उनके समर्थक लंबे समय से चले आ रहे भूमि विवाद पर शिकायत दर्ज कराने के लिए जमा हुए थे। इसके बाद पुलिस ने आरोपी विधायक को तुरंत हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया था। मुंबई में शिवसेना यूबीटी नेता अभिषेक घोसालकर की हत्या हो गई है। इस हमले के दौरान अभिषेक पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। जिसमें उन्हें तीन गोली लगीं। घायल शिवसेना नेता को एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था, यहां उन्होंने दम तोड़ दिया। अभिषेक पर हमला करने के कुछ देर बाद हमलावर ने खुद भी सुसाइड कर लिया। वारदात के वक्त अभिषेक उसी हमलावर के साथ बैठकर फेसबुक लाइव कर रहे थे। अब पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है। मौके से मिली प्राथमिक जानकारी के मुताबिक इस हमले मे अभिषेक को 3 गोलियां लगी थीं। उनपर हमला करने वाले शख्स का नाम मोरिस भाई बताया गया है।यह वारदात मुंबई के एमएचबी पुलिस स्टेशन इलाके में हुई है। जानकारी के मुताबिक, गोलियों का शिकार बने अभिषेक घोषालकर पूर्व नगरसेवक थे। वो शिवसेना उद्धव गुट के नेता विनोद घोसालकर के बेटे थे। बताया जा रहा है कि आपसी विवाद में ये फायरिंग की गई। उधर, अस्पताल के बाहर शिवसेना उद्धव गुट के कार्यकर्ता जमा हो गए। उनमें इस घटना को लेकर खासा गुस्सा है। पार्टी नेताओं का कहना है कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। इस घटना की जितनी निंदा की जाए वो कम है। हमले पर शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि महाराष्ट्र में इस समय अराजकता का माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है। आमदार हों या खासदार हों कोई सुरक्षित नजर नहीं आ रहा है। क्या विपक्षी लोगों को चुन-चुनकर निशाना बनाया जा रहा है? मुख्यमंत्री से लेकर पूरी की पूरी एनडीए सरकार कानून व्यवस्था बनाए रखने में असफल हो गई। और ये सरकार राम राज्य लाने का वादा करती है। ऐसी सरकार को हम पूरी तरह से उखाड़ फेकेंगे।

भारत में लगभग 16 करोड़ लोग शराब का सेवन करते

नई दिल्ली। देश के कई राज्य हैं, जहां पर लोग नशीले पदार्थों का सेवन खूब करते हैं। पिछले कुछ सालों में पंजाब, केरल, हरियाणा और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में भी तंबाकू, अफीम, गांजा और शराब जैसे नशा का सेवन करने वालों की संख्या बढ़ी है। कमोबेश भारत के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में नशीली पदार्थों का प्रयोग होता है। नेशनल ड्रग विभाग ट्रीटमेंट (एनडीडीटी) की रिपोर्ट कहती है कि भारत में लगभग 16 करोड़ लोग सिर्फ शराब का नशा करते हैं। इसमें बड़ी संख्यां में शहरी महिलाएं शामिल हैं। यूपी-बिहार जैसे राज्यों में भी लोग अलग-अलग प्रकार के नशा करते हैं। बिहार में जहां लोग खैनी का सेवन ज्यादा करते हैं। वहीं यूपी में तंबाकू से जुड़े उत्पादों का प्रचलन खूब है। मोदी सरकार ड्रग डिमांड रिडक्शन योजना के तहत हर साल तकरीबन 100 करोड़ रुपये खर्च करती है। इसके तहत केंद्र सरकार नशीले पदार्थों का उपयोग करने वालों के लिए पुनर्वास केंद्रों, किशोरों को नशीले पदार्थों के उपयोग की रोकथाम के लिए सीपीएलआई योजना, आउटरीच और ड्रॉप इन सेंटर एवं जिला नशामुक्ति केंद्रों के संचालन और रखरखाव के लिए एनजीओ के जरिए हर साल मदद देती है। साल 2022-23 वित्तीय वर्ष में मोदी सरकार ने तकरीबन 100 करोड़ देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को दिए। आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों को 2022-23 वित्तीय वर्ष में तकरीबन 4 करोड़ रुपये दिए गए। वहीं असम को 4.37 करोड़ रुपये जारी किए गए। बिहार को 1.84 करोड़ रुपये दिए गए। इसतरह कर्नाटका को साल 2022-23 वित्तीय वर्ष के दौरान 9 करोड़ रुपये दिए गए। मणिपुर को 8 करोड़, ओड़िशा को 9.31 करोड़ रुपये दिए गए। तमिलनाडु को 5.19 करोड़ रुपये दिए गए। वहीं साल 2022-23 में आंध्र प्रदेश को 3.99 करोड़ रुपये केंद्र ने दिए। गुजरात को 2.53 करोड़, हरियाणा को 2.03 करोड़, कर्नाटक को 9 करोड़, केरल को 3.54 करोड़ रुपये दिए गए। मध्य प्रदेश को 3.50 करोड़, महाराष्ट्र को 9.88 करोड़, मणिपुर को 8 करोड़ रुपये मिले। राजस्थान को 4.87 करोड़ और पंजाब को 1.01 करोड़ रुपये दिए गए। मोदी सरकार के मंत्रालय के अनुसार देश में जम्मू-कश्मीर में सबसे ज्यादा नशामुक्ति केंद्रों की संख्या है। देश की 66 नशामुक्ति केंद्रों में 18 नशामुक्ति केंद्र सिर्फ जम्मू-कश्मीर में है। भारत की अलग-अलग एजेंसियों से जुड़े रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में ड्रग्स का अवैध कारोबार लगभग 10 लाख करोड़ रुपए का है।

उत्तर प्रदेश : प्रयागराज में मौनी अमावस्या पर 1.4 करोड़ लोगों ने गंगा में लगाई डुबकी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की 'संगम नगरी' प्रयागराज में मौनी अमावस्या पर शुक्रवार दोपहर 12 बजे तक लगभग 1.40 करोड़ लोगों ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस बीच, हेलीकाप्टर से स्नान करने वाले श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा भी की गई। माघ मेला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार दोपहर 12 बजे तक करीब 1.40 करोड़ लोगों ने गंगा और संगम में स्नान किया। इस बीच हेलीकाप्टर से स्नान करने वाले श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की गई। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार मध्यरात्रि 12 बजे से ही जनसैलाब घाटों की तरफ उमड़ा हुआ है और गांव देहात व दूसरे जिलों से श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि भारी भीड़ को देखते हुए घाटों की लंबाई 6800 फुट से बढ़ाकर 8000 फुट कर दी गई है और कुल 12 घाट बनाए गए हैं एवं सभी घाटों पर पर्याप्त संख्या में वस्त्र बदलने की सुविधा स्थापित की गई है। पुलिस उप महानिरीक्षक (माघ मेला) राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि मेला क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं और पूरे क्षेत्र में 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरे और कई एआई (कृत्रिम बुद्धिमता) आधारित कैमरे क्रियाशील हैं। उन्होंने बताया कि इन कैमरों से फीड को इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर पर लिया जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि मेला क्षेत्र में कोई भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति नजर आने पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही आतंक रोधी दस्ता (एटीएस), द्रुत कार्य बल (आरएएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमें, महिला पुलिसकर्मी, घुड़सवार पुलिस, बम निरोधक दस्ते सभी क्रियाशील हैं। मेला अधिकारी दयानंद प्रसाद ने बताया कि इसके अलावा, सार्वजनिक शौचालयों की संख्या भी 1800 से बढ़ाकर छह हजार कर दी गई है और 12,000 संस्थागत शौचालयों के साथ मेला क्षेत्र में शौचालयों की कुल संख्या अब 18,000 हो गई है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के निरीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि प्रमुख स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर भारी भीड़ को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए एनडीआरएफ के जवान विभिन्न घाटों पर तैनात किए गए हैं। साथ ही एनडीआरएफ की महिला बचाव कर्मियों की भी तैनाती की गई है।

काशी विश्वनाथ मंदिर के पुजारी को मिलेगा 90 हजार वेतन

वाराणसी। वाराणसी स्थित श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी को बतौर 90 हजार रुपये वेतन मिलेगा। वहीं कनिष्ठ पुजारी को 80 हजार और सहायक पुजारी को 65 हजार रुपये का मानदेय दिया जाएगा। ऐसा इसलिए होने वाला है क्योंकि काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की 105 वीं बैठक में 41 साल बाद पुजारी सेवा नियमावली को लेकर सहमति बन गई है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया है कि मंदिर में पुजारियों के कुल 50 पद होंगे और इस पर भर्ती के लिए विज्ञापन भी जारी किया जाएगा। इसके अलावा जिले के सभी संस्कृत के छात्रों को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर मुफ्त में ड्रेस और पुस्तकें देगा। पहली बार मंदिर संस्कृत ज्ञान प्रतियोगिता भी कराएगा। साथ ही शहर में कई स्थानों पर बाबा का भोग प्रसाद बांटा जाएगा। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय को अनुदान मिलेगा। बता दें कि काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की 105 वीं बैठक बीते दिन कमिश्नरी सभागार में मंदिर न्यास के अध्यक्ष प्रोफेसर नागेंद्र पांडे की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक की शुरुआत मंदिर के ट्रस्टी श्री वेंकट रमन घनपाठी द्वारा वैदिक मंत्रों से मंगलाचरण करके की गई. इसके पश्चात मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा द्वारा पिछले बैठक में लिए गए निर्णय की अनुपालन आख्या और आगामी सत्र की बजट को लेकर चर्चा की गई, जिस पर न्यास द्वारा सहमति प्रदान की गई। बैठक में चार दशक बाद पुजारी सेवा नियमावली को लेकर भी चर्चा हुई, जिसे न्यास परिषद ने सर्वसम्मत से सहमति प्रदान की। बैठक में मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा द्वारा संस्कृत विद्यालयों के कक्षा 6 से लेकर कक्षा 12 तक के सभी बच्चों को निशुल्क में पुस्तक और ड्रेस देने का प्रस्ताव रखा गया, जिस पर न्यास ने इस पुनीत कार्य की सराहना करते हुए तत्काल अनुमोदन और अगले एक दो माह में ही इसको पालन करने पर सहमति व्यक्त की।

देश में हर रोज 15 किलोमीटर रेल पटरी बिछायी जा रही है : वैष्णव

नई दिल्ली (एजेंसी)।, 09 फरवरी (वेब वार्ता)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज कहा कि पिछले 10 वर्षों में देश में हर रोज औसतन 15 किलोमीटर रेल पटरी बिछायी जा रही है जबकि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के दस वर्षों में यह औसत केवल 04 किलोमीटर थी।

श्री वैष्णव ने शुक्रवार को राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के जवाब में यह जानकारी दी। रेल परियोजनाओं में देरी से जुड़े सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से लेकर अब तक 30 हजार 336 किलोमीटर रेल पटरी बिछायी गयी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के दस वर्षों में केवल 14,900 किलोमीटर रेल पटरी बिछायी गयी थी। उन्होंने कहा कि रेल पटरी बिछाने के काम में तेजी लाने के लिए पिछले वर्षों में अनेक अड़चनों को हटाया गया है। सरकार ने रेलवे के लिए दो लाख 52 हजार करोड़ रूपये का आवंटन किया गया है।

श्री वैष्णव ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि सरकार इंटरनेट को सुरक्षित बनाने और डीपफेक जैसी गंभीर समस्याओं से निपटने के लिए इंटरमीडियरी रूल्स में संशोधन करने जा रही है। इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म को भी इस मामले अपनी जिम्मेदारी को समझ कर उसका निर्वहन करना होगा।

शिव सेना की प्रियंका चतुर्वेदी ने देश में अनेक लोगों के फोन पर आये एप्पल कंपनी के संदेश का हवाला देते हुए कहा कि उनके फोन पर भी इस तरह का संदेश आया था और उन्होंने मंत्री महोदय को इसकी शिकायत की थी लेकिन चार महीने हो गये इस बारे में कुछ नहीं हुआ।

श्री वैष्णव ने कहा कि इस तरह की शिकायतों के लिए संस्थागत तंत्र है जो इनका समाधान करता है। उन्होंने कहा कि इस समस्या के लिए इस तंत्र के साथ सहयोग करना होगा। आप को अपने फोन की जांच करानी होगी। यदि व्यक्ति जांच में सहयोग करेगा तो सच्चाई सामने आ सकेगी।

पशुपालन और डेयरी मंत्री परूशोत्तम रूपाला ने बताया कि देश भर में 13 हजार करोड़ रूपये की लागत से समूचे पशुधन के लिए टीकाकरण कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार पशुधन में बीमारियों के बचाव के लिए राज्य सरकारों के साथ मिलकर इस टीकाकरण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक चला रही है। ओडिशा में पशु चिकित्सालय विश्वविद्यालय खोले जाने से संबंधित सवाल पर उन्होंने कहा कि इस तरह का विश्वविद्यालय खोलने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की होती है।

दादा को भारत रत्न....गदगद हुआ पोता जयंत, पीएम मोदी को धन्यवाद कहकर लिखा दिल जीत लिया

नई दिल्ली। पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न सम्मान देने के ऐलान के बाद उनके पोते जयंत चौधरी ने पीएम मोदी के ट्वीट को शेयर कर लिखा कि दिल जीत लिया। बता दें कि जयंत चौधरी जल्द ही इंडिया ब्लॉक को छोड़कर एनडीए में शामिल हो सकते हैं जिसके लिए आखिरी दौर की बातचीत चल रही है। भारत सरकार ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री और किसानों के मसीहा रहे चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने का फैसला किया है। पीएम मोदी ने खुद इसका ऐलान किया जिसके बाद उनके पोते जयंत चौधरी ने इस पर खुशी जाहिर की। जयंत ने पीएम मोदी के ट्वीट को शेयर कर लिखा कि दिल जीत लिया। इसके पहले चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने का ऐलान कर पीएम मोदी ने लिखा, हमारी सरकार का यह सौभाग्य है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जा रहा है। यह सम्मान देश के लिए उनके अतुलनीय योगदान को समर्पित है। उन्होंने किसानों के अधिकार और उनके कल्याण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हों या देश के गृहमंत्री और यहां तक कि एक विधायक के रूप में भी, उन्होंने हमेशा राष्ट्र निर्माण को गति प्रदान की। वे आपातकाल के विरोध में भी डटकर खड़े रहे।

अगले माह हो सकता है लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान, तैयारियों में जुटा चुनाव आयोग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियां बहुत तेजी से चल रहीं है। इसके लिए जहां राजनैतिक दल अपनी रणनीति बना रहे हैं वहीं निर्वाचन आयोग भी अपनी तैयारियां कर रहा है। चुनाव आयोग की टीमों ने आंध्र प्रदेश का दौरा कर लिया है और वहां चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया है। अब 20 फरवरी को आयोग की टीम का बिहार दौरा है और उससे पहले ही 15 तारीख को ओडिशा में टीम पहुंचेगी। इस टीम में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार समेत 8 अधिकारी शामिल होंगे। अब तक मिली जानकारी के अनुसार आयोग की टीमें मार्च के पहले सप्ताह तक सभी राज्यों में तैयारियों को परख लेंगी। उसके बाद मार्च के ही दूसरे सप्ताह में चुनाव का ऐलान हो जाएगा।

ने सबसे पहले आंध्र प्रदेश का दौरा 10 और 11 जनवरी को किया था। अब 15 से 17 तक ओडिशा का प्लान है। इन दोनों राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। ऐसे में यहां ज्यादा तैयारियों की जरूरत होगी। ओडिशा के बाद टीम बिहार पहुंचेगी। फिर तमिलनाडु का प्लान है। सूत्रों के अनुसार इसी महीने के अंत तक यूपी और बंगाल का दौरा भी होगा। जम्मू-कश्मीर भी टीम जाएगी और वहां विधानसभा चुनाव के लिहाज से भी व्यवस्थाओं को परखा जाएगा। कहा जा रहा है कि एक बार गृह मंत्रालय से सुरक्षा आदि पर मंजूरी मिलने के बाद वहां विधानसभा इलेक्शन भी कराए जा सकते हैं। चुनाव की शुरुआत ऐलान के कम से कम 28 दिन बाद ही हो सकती है। इस तरह पहले चरण का मतदान भी अप्रैल के दूसरे सप्ताह तक होने की संभावना जताई जा रही है। चुनाव का यह पूरा कैलेंडर कमोबेश 2019 के आम चुनाव जैसा ही होगा, जब निर्वाचन आयोग ने 10 मार्च को इलेक्शन का ऐलान किया था और 24 मई को प्रक्रिया समाप्त हो गई थी। राज्यों में जाकर सुरक्षा व्यवस्था समेत कई पहलुओं का जायजा चुनाव आयोग की टीमें लेती हैं। उसके बाद जब तैयारियों को परख लिया जाता है तो फिर प्रक्रिया शुरू की तैयारी होती है।

बता दें कि चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय रिटायर भी होने वाले हैं। ऐसे में लोकसभा इलेक्शन से पहले नए चुनाव आयुक्त का भी चयन होना है। इसे लेकर पीएम मोदी की अध्यक्षता वाली कमेटी ने पहली मीटिंग कर ली है। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव होने तक तीन निर्वाचन आयुक्त हो जाएंगे। अनुमान है कि इस बार लोकसभा चुनाव के लिए देश भर में करीब 11.8 लाख बूथ बनेंगे। यही नहीं देश भर में मतदाताओं की संख्या भी बढ़कर करीब 95 करोड़ हो सकती है। 2019 में यह आंकड़ा 90 करोड़ का था।

केजरीवाल का दावा, हमारे सरकारी स्कूल निजी से अच्छे नहीं साबित हुए ... राजनीति छोड़ दूंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने कहा, मैं चैलेंज करता हूं। इस इलाके में बहुत बड़े-बड़े प्राइवेट स्कूल हैं। जिस दिन यह स्कूल बन जाए एक चक्कर इस स्कूल का लगा लेना, और एक चक्कर उन प्राइवेट स्कूलों का लगा लेना। अगर यह सरकारी स्कूल प्राइवेट से ज्यादा बेहतर ना हो तब राजनीति छोड़ दूंगा।

लोकसभा चुनाव से पहले केजरीवाल ने फिर दिल्ली के लिए पूर्ण राज्य का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली आधा राज्य है। उस आधा राज्य क्यों कर रखा है, इस पूरा कर दे।

केजरीवाल ने कहा, पिछले 75 साल से बाबासाहेब अंबेडकर का सपना अधूरा है। मैंने कसम खाई है, बाबा तेरा सपना अधूरा, केजरीवाल करेगा पूरा। चारों तरफ इतनी महंगाई हो गई है कि घर का खर्चा चलाना मुश्किल हो गया है। बीजेपी वालों की केंद्र सरकार ने पूरे देश में सर्वे कराया है कि सबसे कम महंगाई दिल्ली में है। क्योंकि दिल्ली में बिजली मुफ्त है, दिल्ली में महिलाओं का बस में सफर मुफ्त है, शिक्षा मुफ्त है, इलाज मुफ्त है, तीर्थ यात्रा मुफ्त है। इसकारण दिल्ली में सबसे कम महंगाई है।

सीएम केजरीवाल ने कहा, मैं आप लोगों से पूछना चाहता हूं क्या बीजेपी की केंद्र सरकार ने आप लोगों के लिए एक भी काम किया है। ना खुद करते हैं, ना मुझे करने देते हैं। मेरे पीछे सारी एजेंसियां छोड़ दी हैं, जैसे देश का सबसे बड़ा डाकू और चोर मैं ही हूं। लेकिन मुझे इनकी कोई चिंता नहीं है। मैं उतने स्कूल बनाऊंगा। तुम अपना धर्म करो, मैं अपना धर्म करूंगा। तुम्हारा धर्म है फर्जी और झूठ कैसे बनाना, सारा नेगेटिव काम तुम्हारा धर्म है। जबकि मेरा काम है स्कूल बनाना लोगों को अच्छा इलाज देना, उनकी सेवा करना मेरा धर्म है। यह गुंडे मेरे पीछे पड़े हैं, लेकिन आपके आशीर्वाद के सामने इन गुंडों का कुछ नहीं होगा।

अग्निवीरों के हक में संसदीय समिति ने उठाई आवाज कहा-रेग्युलर सैनिक की तरह मिले लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मामले की संसदयी स्थायी समिति ने संसद में यह भी कहा कि ड्यूटी के दौरान शहीद होने वाले जवानों के परिवार को मिलने वाली धनराशि को भी बढ़ाने की सिफारिश की गई है। पैनल ने कहा है कि अगल-अलग राज्य अपने हिसाब से शहीदों के परिवार को मुआवजे की रकम देते हैं। इसको सभी राज्यों में बराबर कर देना चाहिए। समिति ने कहा, चार साल की सेवा के लिए भी जिन अग्निवीरों की भर्ती होती है। उनके शहीद होने पर परिवार को मिलने वाला लाभ रेग्युलर सैनिक के बराबर ही होना चाहिए। वहीं बात करें रेग्युलर सैनिक की तो उनके परिवार को इन सब लाभों के अलावा फैमिली पेंशन और पूर्व सर्विसमैन की भी सुविधाएं मिलती हैं। बता दें कि चार साल की सेवा पूरी होने के बाद अग्निवीरों में से 25 फीसदी को सुरक्षाबलों में जगह दे दी जाएगी। शुरुआती साल में इसमें 30 हजार रुपये सैलरी मिलती है जिसमें से 21 हजार दिया जाता है और 9 हजार कॉर्प्स फंड में जमा होता है। बता दें कि अग्निवीर योजना के तहत सैनिक, सेलर और एयरमैन की भर्ती होती है। बता दें कि ड्यूटी के दौरान शहीद होने वाले अग्निवीर के परिवार को बीमा के 48 लाख रुपये, 44 लाख का मुआवजा, इसके अलावा उसके द्वारा जमा किए गए सेवा निधि और बैटल कैजुअलिटी फंड से 8लाख रुपये दिए जाते हैं। इसके अलावा परिवार को शहीदी की तारीख से लेकर चार साल तक की सेवा पूरी होने तक का वेतन मिलने का भी प्रावधान है। इस फंड में हर महीने 9 हजार रुपये का योगदान सरकार भी देती है। दूसरे साल सैलरी 23,100 रुपये मिलने लगती है।

पीएम मोदी की जाति को लेकर राहुल गांधी के बाद खड़गे ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जाति को लेकर आम चुनाव से पहले राजनीति तेज हो गई है। जहां कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सबसे पहले पीएम मोदी की जाति पर सवाल उठाए। अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी राहुल का समर्थन कर पीएम मोदी पर बड़ा आरोप लगाया है। खरगे ने तंज कसते हुए कहा कि पीएम मोदी को बिना सड़कों पर आंदोलन करे ओबीसी वर्ग का दर्जा मिला है, जबकि देश में करोड़ों लोग ओबीसी लिस्ट में खुद को शामिल करवाने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं।

खड़गे ने कहा कि आजकल पूरे देश को मोदी जी सामाजिक न्याय का पाठ पढ़ा रहें हैं। उनकी जाति को ओबीसी दर्जा मिल गया। वे अपने आप को सबसे बड़ा ओबीसी भी कहने लगे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी जी को बिना सड़कों पर आंदोलन करे ओबीसी वर्ग का दर्जा मिल गया, पर देश में करोड़ों लोग ओबीसी लिस्ट में अपने आप को शामिल कराने के लिए निरंतर संघर्ष कर रहें हैं। उन्होंने कहा कि देश की कई सारी ऐसी पिछड़ी जातियां हैं, जो मोदी जी के जाति जनगणना के विरोध के चलते, अन्य पिछड़ा वर्ग दर्जा नहीं ले पाएगी। महाराष्ट्र, हरियाणा, गुजरात में लाखों लोग कई वर्षों से अपनी जाति को ओबीसी का दर्जा दिलवाने के लिए सड़कों पर उतरें हैं।

खड़गे ने कहा कि ओबीसी में विश्वगुरु मोदी जी बन गए! पर ये नहीं बता रहे कि जातिगत जनगणना - जाति जनगणना कब होगा? सामाजिक न्याय को लागू करने के लिए जातिगत जनगणना- जाति जनगणना सबसे जरुरी है। कांग्रेस पार्टी का वादा है कि हम जाति जनगणना जरूर करवाएंगे! राहुल ने कहा कि नरेंद्र मोदी सामान्य वर्ग में पैदा हुए और सीएम बनने के बाद उन्होंने अपनी जाति ओबीसी में बदल दी।

पीएम मोदी ने लोकसभा में बोलकर आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने ओबीसी के साथ अन्याय किया है, उसने अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) के नेताओं का अपमान करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले दिनों कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिये जाने की घोषणा की जिन्हें 1987 में नेता प्रतिपक्ष के रूप में स्वीकार करने से कांग्रेस ने मना कर दिया और कारण बताया कि वह संविधान का सम्मान नहीं करते।

150 लोकसभा सीटों पर भाजपा जल्द उतारेगी उम्मीदवार, कंगना को भी मिल सकता है टिकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। आने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी भाजपा हर एक सीट पर मंथन कर रही है। जहां कमजोरियां हैं उनको दूर किया जा रहा है। हारी हुई सीटों को झटकने की रणनीति पर काम चल रहा है। अबकी बार 400 पार का नारा साकार करने के लिए भाजपा उन सीटों पर ज्यादा ध्यान दे रही है जिस पर चुनौतियां ज्यादा है। ऐसी ही करीब 150 सीटें हैं जिनके लिए बहुत जल्द भाजपा अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर सकती है। फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने भी चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है लेकिन भाजपा उन्हें शायद ही हिमाचल से चुनाव लड़वाए। इसके अलावा पूर्व मंत्री गोबिंद सिंह ठाकुर और भाजपा के प्रदेश महामंत्री बिहारी लाल शर्मा का नाम भी चर्चा में चल रहा है। इसके अलावा तलबगारों की बात की जाए तो उनकी भी एक लंबी सूची है।

हिमाचल प्रदेश की मंडी संसदीय सीट भी इन सीटों में शामिल है। अब यहां पर भाजपा ने अपनी किलेबंदी तय समय से पहले करने का निर्णय लिया है। हिमाचल प्रदेश की लोकसभा की यह इकलौती सीट है, जो कांग्रेस के पास है। हालांकि, यह सीट पहले भाजपा के पास ही थी, लेकिन 2021 में यहां उपचुनाव हुए थे, जिसके बाद यह सीट कांग्रेस की झोली में चली गई।सूत्र बताते हैं कि दिल्ली में जिन सीटों पर पहले प्रत्याशियों के नामों का ऐलान करने की चर्चा चल रही है। उसमें मंडी संसदीय सीट भी शामिल है। यहां पर भी तय समय से पहले प्रत्याशी के नाम का ऐलान हो सकता है। भाजपा की रणनीति है कि हारी हुई सीटों पर पहले से प्रत्याशियों को मैदान में उतारकर प्रचार को समय से पहले शुरू कर दिया जाए।मंडी संसदीय सीट पर भाजपा के टिकट के तलबगारों की एक लंबी सूची सामने आ रही है। हालांकि, सबसे पहला नाम पूर्व सीएम एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर का चल रहा है, लेकिन जयराम ठाकुर चुनाव न लड़ने की बात पहले ही कह चुके हैं। इसके अलावा पूर्व में भाजपा के प्रत्याशी रह चुके ब्रिगेडियर खुशाल ठाकुर, नगर परिषद मनाली के अध्यक्ष एवं हिप्र नगर निकाय अध्यक्ष/उपाध्यक्ष फेडरेशन के अध्यक्ष चमन कपूर, भाजपा नेता अजय राणा और पूर्व में लोकसभा का चुनाव लड़ चुके आश्रय शर्मा के नाम प्रमुख रूप से चर्चा में चल रहे हैं। ब्रिगेडियर खुशाल ठाकुर पूर्व में लोकसभा के उपचुनाव में भाजपा के प्रत्याशी रह चुके हैं लेकिन जीत हासिल नहीं कर पाए थे। ब्रिगेडियर खुशाल ठाकुर कारगिल हीरो के नाम से जाने जाते हैं। चमन कपूर मंडी और कुल्लू जिलों में अपनी अच्छी पकड़ रखते हैं, क्योंकि मंडी जिला इनकी जन्मभूमि और कुल्लू जिला इनकी कर्मभूमि है। साथ ही इनकी जगत प्रकाश नड्डा और जयराम ठाकुर के साथ भी काफी नजदीकियां हैं। आपदा के समय में भी इन्होंने लोगों की काफी ज्यादा मदद की। भाजपा नेता अजय राणा लंबे समय से टिकट के लिए संघर्ष करते आ रहे हैं। इस बार भी अजय राणा फिर से रेस में हैं। पूर्व में कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़ चुके आश्रय शर्मा भी भाजपा के टिकट के लिए पूरा प्रयास कर रहे हैं। आश्रय शर्मा नड्डा और जयराम ठाकुर से मिलकर अपनी बात रख चुके हैं।इसके साथ ही पूर्व सांसद महेश्वर सिंह भी टिकट की आस में हैं। लेकिन उनकी उम्र को देखते हुए ही पार्टी कोई निर्णय कर सकती है।

भारत व फिजी के संबंधों को अयोध्या से मिलेगी नई दिशा

अयोध्या (एजेंसी)। फिजी के उप प्रधानमंत्री बिमान प्रसाद ने कहा कि भारत के साथ हमारे संबंधों को अयोध्या से नई दिशा मिलेगी। फिजी का हर नागरिक यहां आकर रामलला के दर्शन करने की इच्छा रखे हुए है। श्रीराम के जीवन से मिली प्रेरणा को हम सभी ने सहेज कर रखा है। उन्हीं के दिखाए न्याय व नीति के रास्ते पर चल रहे हैं।

उप प्रधानमंत्री प्रसाद पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ अयोध्या पहुंचे। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कहा कि फिजी का राम और रामायण से गहरा जुड़ाव है। ब्रिटिश काल में भारत से जो लोग वहां गए, वे अपने साथ रामायण और गीता लेकर गए थे। फिजी में हिंदू समाज के लोगों ने रामायण का प्रचार-प्रसार किया, यही हमारी पहचान भी बना। आज भी वहां के मंदिरों में रोज रामायण का पाठ होता है और इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं।

प्रसाद ने कहा कि अयोध्या प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि है, इसकारण फिजी के सनातन धर्म को मानने वालों के दिल और दिमाग में यह हमेशा रहती है। फिजी देश धार्मिक है। वहां दीपावली पर राष्ट्रीय अवकाश होता है। भगवान राम के वनवास से लौटने की खुशी में इस पर्व को बेहद उल्लास से मनाया जाता है। यह सौभाग्य है कि नया मंदिर बनने के बाद रामलला के दर्शन करने का अवसर मिलने जा रहा है। एयरपोर्ट पहुंचने पर उप प्रधानमंत्री का महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह व डीएम नितीश कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधियों व भाजपा नेताओं ने स्वागत किया। यहां से प्रसाद अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए। रामजन्मभूमि में रामलला के दर्शन किए। साथ ही नव्य मंदिर का भ्रमण कर इसकी भव्यता को निहारा और बेहद अभिभूत नजर आए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्लास्टिक गोदाम पर छापा मारकर ३४१० किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त

नगर निगम के उधना जोन द्वारा प्रतिबंधित प्लास्टिक के भंडारण के लिए दंड की कार्यवाही शुरू

प्रतिबंध के बावजूद शहर में प्रतिबंधित प्लास्टिक डंप किया जा रहा है

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम ने एक बार फिर प्रतिबंधित प्लास्टिक के इस्तेमाल को रोकने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल नगर निगम छोटे बाजारों के बजाय प्रतिबंधित प्लास्टिक सप्लाई करने वाली एजेंसियों या गोदामों पर छापेमारी कर रही है। जिसके तहत आज नगर पालिका ने उधना क्षेत्र में बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित प्लास्टिक रखने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की कवायद शुरू कर दी है।

सूरत नगर निगम क्षेत्र में १२० माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध है। हालाँकि, यह प्रतिबंधित प्लास्टिक अभी भी सूरत में आसानी से उपलब्ध और उपयोग किया जा रहा है। इसके लिए नगर पालिका सब्जी बाजार या लॉरी विक्रेताओं और मार्केटों पर कार्रवाई करती थी और उन पर जुर्माना लगाती थी। नगर निगम का प्रतिबंध लागू नहीं किया गया क्योंकि बड़े व्यापारी और आपूर्तिकर्ता शहर में प्रतिबंधित प्लास्टिक की तस्करी करते थे।

पिछले कुछ समय से नगर निगम ने प्रतिबंधित प्लास्टिक सप्लाई करने वाली एजेंसियों या गोदामों पर छापेमारी शुरू कर दी है। जिसके तहत आज उधना क्षेत्र के एक गोदाम से ३४१० किलोग्राम प्रतिबंधित प्लास्टिक बरामद हुआ, नगर निगम ने इस प्लास्टिक को जब्त कर दंडात्मक कार्रवाई की कवायद शुरूकर दी है।

एमएसएमई के नए नियमों को लेकर व्यापारिक संगठनों ने दिल्ली में वित्त मंत्री से की मुलाकात

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वित्त मंत्री ने व्यापारियों को भरोसा दिलाया की व्यापारियो हित में संभव प्रयास करेंगें

सूरत। एमएसएमई के नये नियमों को लेकर व्यापारीओं में उलझन को वित्त मंत्री तक पहुचाने के लिए फोस्टा की अगुवाई में व्यापारीयों का प्रतिनिधि मंडल ने दिल्ली में वित्त मंत्री से रजुआत की। गुजरात प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटिल की मध्यस्थता से वित्तमंत्री निर्मला सितारमण ने व्यापारीयों की रजुआत को सूना और व्यापारियों के हित में नीति बनाने का भरोसा दिया। माइक्रो स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज (एमएसएमई) के नए आयकर के मामले में सूरत कपड़ा मार्केट सहित देश मे भी उलझन बढ़ गई थी। कपड़ा मंडी में इस चिंता का निराकरण भी उसी के हाथ मे है, जिसने आयकर प्रावधान को लागू किया। एमएसएमई के प्रावधान से पैदा हुई मुश्किलें से कपड़ा क्रय विक्रय प्रणाली पर भारी असर देखने को मिला रहा है। कपड़ा बाजार इस समय गुलजार रहता था। वही मार्केट में सन्नाटा पसरा हुआ है। कारोबार में काफी असर देखने को मिल रहा है। कपड़ा बाजार पूरी तरह प्रभावित हुआ है। इस समस्या के समाधान के लिए सूरत के फोस्टा के अध्यक्ष कैलाश हाकिम सहित कार्यकारिणी सदस्यों ने वित्तमंत्री से मुलाकात की ।

गुजरात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सी.आर. पाटिल के नेतृत्व में वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से विभिन्न व्यापारी संगठन द्वारा एमएसएमई ४३ (बी) के नये नियम के सन्दर्भ में मुलाकात की गई।

वित्त मंत्री निर्मला सितारमण और सी.आर. पाटिल से मिले व्यापारी

फोस्टा अध्यक्ष कैलाश हाकिम ने वित्तमंत्री को विस्तृत जानकारी दी कि एमएसएमई का यह नया प्रावधान व्यापारियों के हित में है परन्तु वर्तमान समय में सूरत के कपड़ा व्यापार का सिस्टम इस नियम के लिए तैयार नही है। और साथ ही इसमें कुछ सुधार की आवश्यकता है। कैलास हाकिम ने निम्न मुद्दों पर वित्तमंत्री से बातचीत की। इस नियम को १ वर्ष के लिए स्थगित करने का निवेदन किया। एमएसएमी के नियम में छोटे बड़े सभी घटकों का समावेश किये जाने की बात रखी।

एमएसएमई में पेमेंट करने की जो समय अवधि दि गई उसे बढाने के बात कही गई। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने सभी मुद्दों को ध्यान से सुना एवं भरोसा दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा व्यापारियों के हित में नीति बनाते है और इस सन्दर्भ में विचार-विमर्श कर व्यापारियों के हित में संभव प्रयास करने का भरोसा दिलाया गया।

माता-पिता के लिए चिंताजनक मामला,बच्चे ने ५ रुपये का सिक्का निगला

पांडेसरा में बुधवार रात को खेलते समय ३ साल के बच्चे ने ५ रुपये का सिक्का निगल लिया

डॉक्टर ने अन्ननली में फंसा सिक्का निकाल लिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में माता-पिता के लिए चेतावनी का एक मामला सामने आया है । पांडेसरा में बुधवार रात को खेलते समय ३ साल के बच्चे ने ५ रुपये का सिक्का निगल लिया, जिसके बाद उसे इलाज के लिए न्यू सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने सावधानीपूर्वक भोजन नली में फंसे सिक्के को बाहर निकाला।

न्यू सिविल से मिली जानकारी के मुताबिक पांडेसरा के भक्तिनगर में रहने वाला ३ साल का सागर सोनी बुधवार रात घर में पांच सिक्के खेल रहा था। तभी बच्चे ने एक सिक्का निगल लिया। बाद में उनके परिवार को पता चला तो वे हैरान रह गए। उसने खुद ही सिक्का निकालने की कोशिश की थी। देर रात बच्चे को न्यू सिविल में लाया गया। ईएनटी विभाग के प्रमुख जैमिन कॉन्ट्रैक्टर की टीम ने दूरबीन की मदद से आधे घंटे के भीतर सिक्का बरामद कर लिया।

सिविल ईएनटी चिकित्सक मेरु डाभी ने कहाबच्चे की आहार नली में एक सिक्का फंस गया था। यदि समय पर नहीं हटाया गया, तो अन्नप्रणाली क्षतिग्रस्त हो सकती थी। इस तरह की सर्जरी में निजी अस्पताल में ४० से ६० हजार रुपये का खर्च आता है, लेकिन सिविल अस्पताल में सफल सर्जरी से परिवार खुश है।

पिंजरे में छोड़ते समय कुत्ता पकड़ने वाले कर्मचारी के पैर में काट लिया

आवारा कुत्ता पकडने के दौरान युवक को काट लिया,एन्टी रेबिज की वेक्सीन दी गई

कुत्ता पकड़ने वाली टीम के एक कर्मचारी को काटने का मामला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में स्थानीय लोगों पर कुत्तों के हमले के मामले अक्सर सुनने को मिलते हैं, लेकिन अब हमलों की सूची में कुत्ते पकड़ने वालों को भी शामिल कर लिया गया है। आज नगर निगम की कुत्ता पकड़ने वाली टीम के एक कर्मचारी को काटने का मामला सामने आया है। भेस्तान क्षेत्र से कुत्तों को पकड़कर पांजरापोल में छोड़ने के दौरान कुत्ते ने जाल से निकलकर कर्मचारी के पैर में काट लिया। इसलिए कर्मचारी को इलाज के लिए सिविल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

जानकारी के मुताबिक, १८ साल का अनिल भीमभाई पारिया रेलवे स्टेशन के पास रहता है। पिछले ४ महीने से वह नगर पालिका की डॉग रेस्क्यू टीम में काम करके अपना गुजारा करते हैं। वे हर दिन अलग-अलग इलाकों में कुत्तों को पकड़ते हैं और उन्हें पिंजरे में छोड़ देते हैं। फिर इन कुत्तों को टीका लगाया जाता है और कृमि मुक्त किया जाता है। जब शहर में आए दिन कुत्तों के काटने के मामले सामने आ रहे हैं तो अनिल भी इन कुत्तों को पकड़ने में शामिल थे। सुबह अलग-अलग इलाकों से कुत्तों को पकड़कर भेस्तान के पांजरापोला में छोड़ा जा रहा था। इसी दौरान एक कुत्ते ने जाल से अनिल के पैर में काट लिया।

कुत्ते को पकड़ने की आपाधापी में अनिल को घायल अवस्था में सिविल अस्पताल ले जाया गया। यहां उन्हें तुरंत एंटी रेबीज विभाग में इंजेक्शन दिए गए। मौजूदा जांच में युवक को कोई गंभीर चोट नहीं लगी है और उसे इंजेक्शन की और खुराक लेने की तारीख दी गई है।

यहां बता दें कि जहां सूरत में कुत्तों का आतंक दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है, वहीं नगर निगम की ओर से टीकाकरण और कृमि मुक्तिका काम किया जा रहा है। हालाँकि कुत्तों के हमलों की घटनाएँ कम होती नहीं दिख रही हैं। पांच दिन पहले पांडेसरा इलाके में कुत्तों ने चार साल की बच्ची पर हमला कर उसे मार डाला था। ऐसे में नगर पालिका के टीकाकरण और टीकाकरण को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

देश का पहला 'साइकिल टू स्कूल' प्रोजेक्ट नगर निगम की लापरवाही के कारण खटाई में पड़ सकता है

सिटी लाइट स्कूल के 'साइकिल टू स्कूल' प्रोजेक्ट के लिए ट्राफिक कोन टूट गए

साइकिल से स्कूल जाने के लिए बने ट्रैक के किनारे अवैध रूप से अतिक्रमण कर अस्थाई दुकानें बना ली गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

देश का पहला साइकिल टू स्कूल प्रोजेक्ट सूरत शहर में शुरू हो गया है और कयास लगाए जाने लगे हैं कि नगर निगम की लापरवाही से खटाई में पड सकता है। सूरत नगर निगम ने सिटी लाइट के एक स्कूल में साइकिल से स्कूल तक प्रोजेक्ट शुरू किया है, अभी एक महीना भी नहीं हुआ है लेकिन इस साइकिल ट्रैक के लिए लगाए गए ट्रैफिक कोन टूट गए हैं । ट्रैक पर वाहन पार्क किए जाते हैं और कुछ फुटपाथ पर दुकाने खोल दिए गए हैं।

देश भर के १०० स्मार्ट शहरों में से केवल सूरत शहर को

साइकिल टू स्कूल परियोजना के लिए चुना गया है और सूरत नगर निगम ने इस परियोजना के लिए छह स्कूलों का चयन किया है और संचालन शुरूकर दिया है। सूरत नगर निगम और सूरत स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट लिमिटेड द्वारा 'साइकिल टू स्कूल' के पायलट प्रोजेक्ट के लिए सिटी लाइट क्षेत्र में स्कूल नंबर १६० को चुना गया है और यह प्रोजेक्ट ८ जनवरी को शुरूकिया गया है।

हालाँकि, इस साइकिल टू स्कूल प्रोजेक्ट को शुरूहुए बमुश्किल एक महीना ही हुआ है, लेकिन साइकिल ट्रैक के लिए जगह बनाने के लिए लगाए गए कई ट्रैफिक कोन टूट गए हैं। इन टूटे ट्रैफिक कोनों से निकली कीलें साइकिल चलाने वाले विद्यार्थियों के लिए खतरा पैदा कर रही हैं। इसके अलावा, परियोजना के लिए बनाया गया ट्रैक आकर्षक है, लेकिन कुछ लोग इस ट्रैक पर अपने दोपहिया वाहन पार्क करते हैं। इसलिए कुछ लोग ट्रैक पर गाड़ियां खड़ी कर बाधा उत्पन्न कर रहे हैं।

चूंकि नगर निगम ने साइकिलों को जीपीएस सिस्टम से जोड़ दिया है, लेकिन ट्रैक पर वाहन पार्किंग रोकने की जहमत नहीं उठाई है।

इसलिए साइकिल ले जाने वाले छात्रों के साथ दुर्घटना की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। हालांकि देश की पहली परियोजना साकार हो रही है, लेकिन कुछ लोगों में ट्रैफिक सेंस की कमी है, इसके अलावा ट्रैफिक कोन टूटे हुए हैं और इस मार्ग पर दबाव के कारण प्रोजेक्ट खटाई में पडने की संभावना है।

चैंबर द्वारा ब्रांडिंग से कैसे बढ़ सकता है कारोबार पर सेमिनार आयोजित

ब्रांड एक वादा होता है और एक अच्छा ब्रांड वादा निभाने में विश्वास रखता है

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने एंटरप्रेन्योर्स फोरम गेटवे के तहत अपना पहला अध्याय लॉन्च किया। भविष्य की उद्यमिता की तैयारी के हिस्से के रूप में एक अनूठे कार्यक्रम के माध्यम से फोरम का गठन किया जाएगा। जिसके अंतर्गत पहला कार्यक्रम 'ब्रांडिंग के माध्यम से अपना व्यवसाय कैसे बढ़ाएं?' विषय पर आयोजित किया गया। जिसमें मशहूर ऐड गुरु अभिनेता, निर्देशक और लेखक भरत दाभोलकर और आईसीटी/यूडीसीटी हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के पूर्व छात्र डॉ. दीपा भजेकर ने उद्यमियों को उत्पाद ब्रांडिंग और व्यावसायिक सफलता के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया।

कार्यक्रम में चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रमेश वघासिया ने सभी का स्वागत किया। उद्यमियों से ब्रांड और ब्रांडिंग के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'आपका ब्रांड वह है जो लोग आपके बारे में तब कहते हैं जब आप उनके सामने नहीं होते हैं। एक ब्रांड एक वादा होता है और एक अच्छा ब्रांड वादा निभाने में विश्वास रखता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर लोग आपको पसंद करते हैं तो वे आपकी बात सुनेंगे, लेकिन अगर उन्हें आप पर भरोसा है तो वे आपके साथ व्यापार करेंगे।

एक अनुमान के अनुसार, २०२० तक भारत में लगभग २३.५१ लाख पंजीकृत ट्रेडमार्क थे, जिसमें पिछले दो वर्षों में ४.५ लाख की वार्षिक वृद्धि हुई है। इनमें से अधिकांश वार्षिक ट्रेडमार्क आवेदन महाराष्ट्र से आते हैं, इसके बाद दिल्ली दूसरे और गुजरात तीसरे स्थान पर है। उन्होंने आगे कहा कि भारत के शीर्ष ५० ब्रांडों का संयुक्त बाजार मूल्य लगभग ८.३ लाख करोड़ रुपये है। उन्होंने उद्यमियों से सूरत के विभिन्न उत्पादों की ब्रांडिंग कर उन्हें दुनिया में मशहूर करने का अनुरोध किया।

ऐड गुरु अभिनेता, निर्देशक और लेखक भरत दाभोलकर ने कहा कि व्यावसायिक सफलता के लिए उत्पाद में दम होना चाहिए। एक ही उत्पाद बनाने वाले कई निर्माता हैं लेकिन आपका उत्पाद अद्वितीय होना चाहिए, इसलिए उन्होंने उद्यमियों को रचनात्मक होने की सलाह दी। उन्होंने कहा, आप खरीदारों के मन में क्या डालते हैं और उनसे कैसे संवाद करते हैं, यह सबसे महत्वपूर्ण है। भरत दाभोलकर ने आगे कहा कि उत्पाद ब्रांडिंग के लिए विज्ञापन में हम खरीदारों को क्या दिखा रहे हैं और इसका लोगों पर क्या प्रभाव पड़ेगा, इसके बारे में स्व-नियमन होना जरूरी है। इसके अलावा उन्होंने उद्यमियों से अपने सेल्फ ऑटो रिक्शा के बारे में भी बात की।

डॉ. दीपा भाजेकर ने गुजरात को उद्यमियों की भूमि बताते हुए कहा कि गुजरातियों के खून में कारोबार है। गुजरात के लोग नौकरी करने के बजाय अपने व्यवसाय के माध्यम से हजारों लोगों को रोजगार देना पसंद करते हैं, यही कारण है कि गुजरात उद्यमियों की भूमि है। व्यवसाय में सफल होने के लिए साहस, उद्यम, धैर्य और कड़ी मेहनत सबसे महत्वपूर्ण कारक हैं। जिनके बिना बिजनेस में सफलता असंभव है।

श्री महाविदेह धाम में ११ दिवसीय ऐतिहासित प्रतिष्ठा महोत्सव

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। वेसू में महाराणा प्रतार रोड पर निर्मित दीक्षादानेश्वरी संयमतीर्थ श्री महाविदेह धाम का ऐतिहासित प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन १२ फरवरी से २२ फरवरी के दौरान होने जा रहा है। वयोवृध्द साधु साध्वीओं के लिए निर्मित महाविदेह धाम में दिक्षादानेश्वरी गुणरत्नसूरीश्वरजी महाराज की प्रतिकृति की झलक है। इसकी विशेषता में ४०,००० वर्ग. फिट की भूमि पर २००००० वर्ग. फिट का निर्माण किया गया है। अलग-अलग एजेंसियों के १००० से ज्यादा कारीगरों की मेहनत से १८ महीने में तैयार हुआ। भूकंपरोधी - दूसरा बेसमेंट, ऊपर ७वीं मंजिल, तीसरी मंजिल तक व्हीलचेयर से पहुंचा जा सकता है।अपनी तरह का पहला अखिल भारतीय शानदार - बर्मी लकड़ी से निर्मित भव्य नक्काशीदार ५००० धन्फट काष्ठमय जिनालय और गुरुमंदिर। हर मंजिल पर अद्भुत लक्जरी रसोई के साथ ३ मंजिल तक। महाविदेह धाम की आधारशिला में १०८ से अधिक विभिन्न प्राचीन तीर्थों की स्थापना।

११ दिवसीय ऐतिहासित प्रतिष्ठा महोत्सव की विशेषता में त्योहार से पहले पूरे सूरत में २५००० से अधिक जैन परिवारों में १५००० कि.ग्रा. से अधिक मिठाइयाँ बाँटी जायेगी। इस उत्सव के दौरान सूरत और पूरे भारत से लाखों भक्त शामिल होंगे। इस उत्सव में भाग लेने के लिए भारत के माननीय प्रधान मंत्री, राष्ट्रपति जैसे कई गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है। बंगाली कारीगरों द्वारा निर्मित ४०,००० वर्ग. एफ. का बड़ा कार्यक्रम मंडप जिसमें ८-१० हजार लोग बैठ सकते हैं। २ बड़े डाइनिंग हॉल २०-२० हजार वर्ग फीट। जिसमें ८-१० हजार लोग एक साथ खाना खा सकते हैं। १००० से अधिक भिक्षु-भिक्षुणियों की उपस्थिति। गेम-ज़ोन, एक्सक्लूसिव आर्ट्स गैलरी आदि जैसे आकर्षण। २२ फरवरी को प्रतिष्ठा महोत्सव में २५ हजार से अधिक लोगों के शामिल हो सकते है।